12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 1

आज का सुविचार
मंज़िल उन्हीं को मिलती है, जिनके सपनों में जान होती है!

साप्ताहिक
युवा प्रदेश
Freedom Of Speech

RNI. NO. MPHIN/2015/76299
संपादक-नागेश नरवरिया

YP24 NEWS
जिले एवं तहसीलों में संवाददाता नियुक्त करना है.. संपर्क करें -9425156055

वर्ष-9, अंक-97 | www.yuvapraesh.in | भोपाल, शुक्रवार 12 दिसंबर-2025 | ypnews24@gmail.com | पृष्ठ-8 मूल्य-2 रुपए

अमरकंटक-गौरेला टैक्सी विवाद सुलझा, एकीकृत दर सूची लागू, यात्रियों को मिली राहत

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर अनूपपुर /अमरकंटक

अमरकंटक। पवित्र धरती अमरकंटक में बीते एक सप्ताह से चल रहे टैक्सी विवाद का अंत हो गया। नगर पंचायत सभागार में एसडीएम पुष्पराजगढ़ वसीम अहमद भट्ट की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में अमरकंटक एवं छत्तीसगढ़ के गौरेला-पेंड्रा क्षेत्र के टैक्सी चालकों के बीच चला आ रहा तनाव सौहार्दपूर्ण ढंग से समाप्त हुआ। बैठक में पेंड्रा रोड के एसडीएम विक्रांत कुमार अंचल, एसडीओपी पुष्पराजगढ़ नवीन तिवारी, एसडीओपी गौरेला श्याम कुमार सिदार, स॥ह्र सौरभ सिंह, थाना प्रभारी अमरकंटक लाल बहादुर तिवारी सहित अधिकारी-कर्मचारी, पत्रकार एवं बड़ी संख्या में वाहन मालिक-चालक उपस्थित रहे। पिछले कुछ दिनों से अमरकंटक और पेंड्रा रोड के टैक्सी चालकों के बीच उपजे विवाद के चलते दोनों ही क्षेत्रों में आवागमन लगभग ठप्प हो गया था। पेंड्रा रोड रेलवे स्टेशन पहुंचने वाले पर्यटक व तीर्थयात्री, साथ ही अमरकंटक से पेंड्रा जाने वाले स्थानीय लोग गंभीर रूप से प्रभावित हुए। पर्यटन नगरी की छवि पर भी नकारात्मक असर पड़ रहा था। मामला मीडिया में गूंजा तो प्रशासन हरकत में आया और तत्काल संयुक्त बैठक बुलाकर समाधान की दिशा में कदम बढ़ाया।बैठक में अमरकंटक के पर्यटन स्थलों, परिक्रमा तट परिवर्तन और स्थानीय भ्रमण हेतु एक समान पर्यटन दर सूची भी स्वीकृत की गई। महत्वपूर्ण यह भी कि यह दर सूची केवल वाहनों तक सीमित नहीं रहेगी। अमरकंटक के सभी होटल, आश्रम, धर्मशालाएँ और आवासीय संस्थान भी इसे अपने परिसर में अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करेंगे, जिससे पर्यटक बिना किसी भ्रम के उचित दरों की जानकारी प्राप्त कर सकें।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत कार्यक्रम हुआ सफल

युवा प्रदेश, भोपाल।

अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन ने संत शिरोमणि सतगुरु रविदास जी महाराज की अमृतवाणी का प्रचार प्रसार करने का लिया संकल्प, जिस के लिए अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन भारत म.प्र में सतगुरु रविदासजी महाराज की अपार कृपा विश्व रविदासिया धर्मगुरु परम सत्कारयोग परम् पूज्य श्री श्री 108 श्री संत निरंजनदासजी महाराज की सरपरस्ती संत महापुरुषो के आशीर्वाद से राष्ट्रीय अध्यक्ष परम पूज्य संत सुखदेवजी महाराज के मुख्यतित्व में, राष्ट्रीय प्रचारक संत रामदयाल शास्त्री महाराज, प्रदेश प्रभारी संत धन्नालाल जोड़वाल जी महाराज, प्रदेश प्रचारक संत राधाकिशन दास, केबिनेट मंत्री श्री विश्वास सारंग जी, नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी जी, वरिष्ठ समाज सेवी प्रियंक कानूनगो, टी.आर.पगारे साहब इन्दौर, चौ. अमान सिंह नरवरिया जी, श्री जे. एस. कटारिया जी के विशेष आतिथ्य में प्रदेश अध्यक्ष श्री माधवसिंह अहिरवार के मंच संचालन में मध्य प्रदेश के प्रत्येक संभाग, जिला, तहसील व ग्रामीण क्षेत्र के सेवादार तथा पदाधिकारियों की लगन एवं गुरु प्यारी साद संगत जी के सहयोग से 09 दिसम्बर 2025 को भोपाल के गुरु रविदास मंदिर करोंद में बहुत ही धूमधाम और हर्षोल्लास से अखिल भारतीय रविदासिया धर्म संगठन, भारत के नेतृत्व में रविदासिया समाज का महासम्मेलन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर बिहार प्रदेश सहित अन्य राज्यों सहित मध्य प्रदेश से इन्दौर, उज्जैन, सागर, विदिशा, रायसेन, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर, बालाघाट, दमोह, टीकमगढ़, अशोकनगर, गुना, देवास, शाजापुर, जबलपुर, छिंदवाड़ा, सीधी, शिवपुरी, धार, रतलाम, खंडवा, कटनी आदि जिलों से संत और सेवादारों की उपस्थिति प्रमुखता से रही। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रदेश उपाध्यक्ष श्रद्धेय अतर सिंह भारतीय, रुपसिंह चौडिया प्रदेशसचिव, प्रदेश मीडिया प्रभारी उदय सिंह चौहान, मन्नालाल ठेकेदार जिला अध्यक्ष सागर, मांगीलाल मंडलौई सचिव, दमोह जिला अध्यक्ष मुकेश अहिरवार, संभाग प्रभारी भगवती प्रसाद सुनहरेजी, सिताराम राजौरियाजी को शामिल होने का अवसर प्राप्त हुआ। कार्यक्रम करोंद रविदास मंदिर समिति के विशेष सहयोग से सफल और संपन्न हुआ।

दलित के घर भोजन पर सामाजिक बहिष्कार, गंगा स्नान और भंडारे की सजा!

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता, उदयपुरा। रायसेन जिले के उदयपुरा क्षेत्र के ग्राम पिपरिया पुआरिया में सामाजिक भेदभाव का मामला सामने आया है। यहां भरतसिंह धाकड़ ने जनसुनवाई में शिकायत की है कि उनके परिवार को गांव में सामाजिक रूप से बहिष्कृत कर दिया गया है। किसी भी कार्यक्रम में उन्हें नहीं बुलाया जा रहा और अछूत जैसा व्यवहार किया जा रहा है। मामला तब शुरू हुआ जब भरतसिंह और उनके दो साथी मनोज पटेल और सत्येंद्र रघुवंशी ने एक दलित परिवार के श्राद्ध में भोजन कर लिया। इसके बाद गांव के सरपंच और कुछ ग्रामीणों ने पंचायत में बैठक कर यह फरमान दिया कि दलित के घर भोजन करना फ्पापफ् है और इसके लिए गंगा स्नान और गांव में भंडारा कराना होगा। दबाव में मनोज और सत्येंद्र ने गंगा स्नान कर लिया, लेकिन भरतसिंह ने इसे मानने से इनकार कर दिया। भरतसिंह का कहना है कि इसका असर उनके पिता और परिवार पर डाला जा रहा है। पंचायत के लोगों ने यहां तक कह दिया कि पिता को दोष से मुक्त रखने के लिए मुंडन कराकर जीते-जी पिंडदान कर दो। विवाद बढ़ने पर राज्य के स्वास्थ्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल गांव पहुंचे और सामाजिक सौहार्द का संदेश देने के लिए दलित परिवार के घर भोजन भी किया। मंत्री ने टिप्पणी करने वाले एक व्यक्ति को जेल भी भेजा, लेकिन इसके बाद भी भरतसिंह के परिवार को गांव में परेशान किया जा रहा है। भरतसिंह ने स्ष्ठरूऔर पुलिस प्रशासन से शिकायत करते हुए पूरे मामले में कार्रवाई की मांग की है।

दीवाल ढहने से दो वर्षीय मासूम कार्तिक की दर्दनाक मौत

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता, देवरी। नगर देवरी से लगभग 10 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत चीकली में रविवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जिसमें दो वर्षीय मासूम कार्तिक अहिरवार की दीवार गिरने से मौत हो गई। कार्तिक, किसान मजदूर दंपत्ति मनीराम अहिरवार और उनकी पत्नी का पुत्र था।

जानकारी अनुसार, मनीराम और उनकी पत्नी देवरी में बटिहार का काम करते हैं। हादसे के समय दोनों खेत की ओर जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान कार्तिक गहरी नींद में था, जिसे उसकी मां ने घर में बिस्तर पर सुला दिया था। कुछ ही देर बाद अचानक तेज आवाज के साथ घर की पुरानी दीवाल ढह गई, जो सीधे मासूम कार्तिक पर गिर गई। दीवाल के मलबे में दबने से बच्चे की आंख के एक हिस्से में गंभीर चोट आई और वह बुरी तरह घायल हो गया। परिजन तुरंत उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र देवरी लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने कार्तिक को मृत घोषित कर दिया।

मोबाइल को रात भर चार्ज पर लगाना हानिकारक जानें सही चार्जिंग तरीका क्या है?

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

हममें से ज्यादातर लोग रात को सोने से पहले मोबाइल चार्ज पर लगा देते हैं और सुबह 100त्न बैटरी देखकर खुश हो जाते हैं। लेकिन यह आदत धीरे-धीरे आपके फोन की बैटरी की लाइफ को नुकसान पहुंचाती है। इसकी वजह समझना बहुत जरूरी है। आधुनिक स्मार्टफोन Lithium-ion बैटरी का इस्तेमाल करते हैं। यह बैटरी 20त्न से 80त्न के बीच सबसे स्वस्थ रहती है। लेकिन पूरी रात चार्ज होने पर फोन 100त्न पर लंबे समय तक पड़ा रहता है, जिससे बैटरी पर हीट स्ट्रेस और वोल्टेज स्ट्रेस बढ़ता है। यह बैटरी की उम्र को महीनों में नहीं, बल्कि सालों में बड़ा नुकसान पहुंचाता है। दूसरी बड़ी समस्या है हीट बिल्ड् - अप। रात भर चार्जिंग के दौरान फोन में हल्की गर्मी बनती रहती है। बैटरी के लिए गर्मी सबसे बड़ा दुश्मन है यह उसकी क्षमता को धीरे-धीरे कम कर देती है। इसी वजह से 1ङ्क2 साल बाद फोन जल्दी डिस्चार्ज होने लगता है।तीसरा कारण है ट्रायकल् चार्जिंग 100त्न होने के बाद भी फोन हल्का-हल्का चार्ज लेता रहता है ताकि प्रतिशत कम न हो। यह प्रक्रिया बैटरी को लगातार दबाव में रखती है। सही चार्जिंग तरीका यह है कि रात भर चार्ज न करें 20% पर लगाएं और 80-90% पर हटाएं फास्ट चार्जिंग केवल जरूरत पर इस्तेमाल करें ये छोटी-छोटी आदतें आपके फोन की बैटरी को कम से कम एक से डेड़ साल ज्यादा जीवन दे सकती हैं।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक व्यापक, विद्वतापूर्ण और चिंतनप्रधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम

10 दिसंबर 2025 को शासकीय पीएम श्री नर्मदा एक्सीलेंस महाविद्यालय नर्मदापुरम के विधि विभाग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर एक व्यापक, विद्वतापूर्ण और चिंतनप्रधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम प्राचार्य डॉ. राम कुमार चौकसे के सान्निध्य में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. अमिता जोशी उपस्थित रहीं, तथा प्राचार्य-प्रभारी डॉ. कमल वाधवा, वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजय चौधरी और विधि विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्वा वर्मा की विशिष्ट उपस्थिति ने कार्यक्रम को उच्च शैक्षणिक और न्यायिक गंभीरता प्रदान की। मुख्य अतिथि डॉ. अमिता जोशी ने ष्टक्क्रके ऐतिहासिक और नैतिक महत्व पर प्रकाश डाला और प्रवासन, शरणार्थियों की सुरक्षा तथा वैश्विक सहानुभूति पर विचार साझा करते हुए विद्यार्थियों और संकाय को नागरिक दायित्व और मानवीय नैतिकता पर सोचने के लिए प्रेरित किया। प्राचार्य-प्रभारी डॉ. कमल वाधवा ने मानवाधिकारों के महत्व, समाज में उनकी आवश्यकता तथा शिक्षा के माध्यम से जागरूकता बढ़ाने की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए। वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. संजय चौधरी ने कार्यक्रम में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया। विधि विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्वा वर्मा ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय मानवाधिकार कानूनी ढांचे पर विश्लेषण प्रस्तुत किया और विशेष रूप से शरणार्थी सम्मेलन, यातना निषेध और कैदियों के अधिकारों पर न्यायिक एवं नीतिगत दृष्टि साझा की। मंच संचालन विधि विभाग की फैकल्टी सुश्री अनुपमा कुजूर ने प्रभावपूर्ण ढंग से किया। कार्यक्रम में प्राध्यापिकाएँ श्रीमती चंद्रप्रभा सोनी, श्रीमती हनीफ़ा शेख, श्रीमती सुधा दुबे और श्री अभिषेक अश्वरे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने मानवाधिकारों के विविध पहलुओं पर विशेष बल दिया। निबंध और पोस्टर प्रतियोगिताओं में अनुज उदयपुरिया और आलिया मरुख को प्रथम, रुशाली गहलोत और सानिया मिर्ज़ा को द्वितीय स्थान मिला। साथ ही नुक्कड़ नाटक और लीगल एड कैंप में सक्रिय भागीदारी करने वाले छात्रों को प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया।

सार्वजनिक स्थलों पर परिषद ने कराई अलाव की व्यवस्था

कैलाश कुमार - सह संपादक (युवा प्रदेश)

नगर परिषद डूमरकछार द्वारा कड़कडाती ठंड एवं शीतलहर को देखते हुए निकाय क्षेत्र के सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था कराई गई है, अलाव की व्यवस्था हेतु निकाय के अध्यक्ष व जिला योजना समिति के सदस्य डॉ.सुनील कुमार चौरसिया , परिषद पदाधिकारीगण, प्रभारी मुख्य नगरपालिका अधिकारी राजेश मार्को के निर्देशन पर स्वच्छता विभाग के कर्मचारियों द्वारा समयानुरूप कराया जा रहा है, पिछले कुछ दिनो मे मौसम मे परिवर्तन और हवा चलने से ठंड बढ़ गई है ! दिन भर ठंडी हवा चलती है, बढ़ती सर्दी को देखते हुए नगरपरिषद द्वारा वार्ड क्रं 5 11, 14 । सब्जी मंडी ग्राउंड पहाड़ी बाबा व वार्डो के चौराहों आवागमन वाली जगहों मे अलाव की व्यवस्था कराई गई, ताकि जनसामान्य व राहगीरों को ठंड के प्रकोप से निजात दिलाया जा सके, क्षेत्र में अलाव की व्यवस्था हो जाने से राहगीरों को ठंड से काफी राहत मिली है ।

हजारों छात्रों वाला कॉलेज खंडहर में बदला.. 25 साल से अटका विकास, नई बिल्डिंग भी बेकार!

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता

उदयपुरा रायसेनञ्ज उदयपुरा का शासकीय महाविद्यालय आज पूरी तरह बदहाली की कगार पर है। करोड़ों की लागत से बनी नई बिल्डिंग दो साल भी ठीक से नहीं टिक पाई और खंडहर में तब्दील हो रही है। हालत ये है कि जगह-जगह छत झड़ रही है, प्लास्टर टूटकर गिर रहा है और दीवारें दरक रही हैं।

हैरानी की बात यह है कि इस नई बिल्डिंग में अभी कोई पढ़ाई ही नहीं होती, जबकि पुरानी बिल्डिंग में रोज छात्र-छात्राएँ जान जोखिम में डालकर कक्षाओं में बैठने को मजबूर हैं।

25 साल से वही प्राचार्य कॉलेज वहीं, हालत और बुरा! कॉलेज में पिछले 25 साल से प्राचार्य अन्नू बड़कुर पद पर हैं, लेकिन इतने लंबे कार्यकाल में कॉलेज का ना कोई विस्तार हुआ, ना कोई नया विषय शुरू, और ना ही बुनियादी सुविधाओं का विकास।

आज भी कॉलेज में सिर्फ बी.ए. की पढ़ाई होती है–न कोई एम.ए., न कोई विज्ञान संकाय, न कोई रोजगारपरक कोर्स।

छात्रों का कहना है कि न तो क्लासरूम की हालत सुधरी, न पढ़ाई का स्तर। हर साल स्थिति और खराब ही होती गई।

करोड़ों खर्च, फिर भी नई इमारत में ताला! नई बिल्डिंग इतनी घटिया सामग्री से बनाई गई कि दो साल में ही इसका प्लास्टर झड़ने लगा। करोड़ों रुपये खर्च करके बनाई गई इमारत आज खाली पड़ी है, जबकि पुरानी जर्जर बिल्डिंग में बच्चे रोज़ जोखिम उठाते हैं।

स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं

जब करोड़ों रुपये खर्च हुए थे तो बिल्डिंग दो साल में खंडहर कैसे बन गई? प्रशासन ठेकेदारों पर कार्रवाई क्यों नहीं कर रहा?÷

प्रशासन मौनञ्ज छात्रों की सुने कौन? कॉलेज के हजारों छात्रों की सुरक्षा, पढ़ाई और भविष्य से जुड़ा बड़ा मुद्दा है, लेकिन प्रशासन चुप है। न प्राचार्य कोई समाधान देते हैं, न विभाग कोई निगरानी करता है।

छात्रों और अभिभावकों की मांग : नई बिल्डिंग की जांच हो ठेकेदार पर कार्रवाई कॉलेज में नए कोर्स शुरू हों 25 साल से जमे प्राचार्य की कार्यशैली की समीक्षा।

AI वॉइस स्कैम नया खतरा! आपकी ही आवाज़ बनाकर ठग रहे हैं सायबर ठग

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश। टेक्नोलॉजी जितनी तेज़ी से बढ़ रही है, उतनी ही तेजी से ऑनलाइन ठगी के तरीके भी बदल रहे हैं। पिछले कुछ महीनों में जिस चीज़ ने सबसे ज्यादा लोगों को डराया है, वो है८ढ्ढ वॉइस स्कैम जहाँ आपकी ही आवाज़ को कॉपी करके ठग लोग आपके परिवार या दोस्तों से पैसे मांग लेते हैं।८ढ्ढ अब इतना स्मार्ट हो चुका है कि सिर्फ 5ङ्क10 सेकंड की आपकी रिकॉर्ड की गई आवाज़ से बिल्कुल असली जैसी आवाज़ तैयार कर सकता है। ठग अक्सर किसी रिश्तेदार या दोस्त को फोन करके कहते हैं ÷मैं मुसीबत में हूँ जल्दी पैसे भेजो।÷ आवाज़ आपकी होती है, घबराहट असली जैसी होती है और कई लोग बिना सोचे समझे पैसे भेज देते हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि ये स्कैम किसी खास उम्र या वर्ग तक सीमित नहीं। सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई रील, स्टोरी, वॉइस नोट या यूट्यूब वीडियो से भी आपकी आवाज़ उठाई जा सकती है। इसका बचाव सिर्फ एक चीज़ है वेरिफिकेशन। अगर ऐसा कोई कॉल आए, तो तुरंत वीडियो कॉल करें, ओटीपी पूछें या कोई कोड वर्ड सेट रखें।८ढ्ढ जितना मददगार है, उतना खतरनाक भी बन चुका है इसलिए स्मार्टफोन यूज़ करते समय ÷स्मार्ट÷ रहना अब ज़रूरी है।

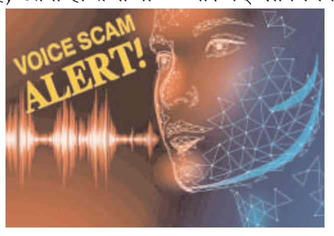

बाबा साहब के विचारों पर चलने का संकल्प, बरेली में भव्य रूप से मनाया गया 69वां महापरिनिर्वाण दिवस

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता बरेली (रायसेन)। सामाजिक परिवर्तन युवा संगठन एक मंच मध्य प्रदेश के तत्वाधान में शनिवार, 6 दिसंबर 2025 को परम पूज्य बोधिसत्व बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर जी के 69वें महापरिनिर्वाण दिवस एवं संगठन के तीसरे संकल्प दिवस/स्थापना दिवस का भव्य आयोजन नगर बरेली में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में हजारों की संख्या में बाबा साहब के अनुयायी शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता परम श्रद्धेय भंते विनय आचार्य जी ने कहा कि समाज को बाबा साहब के विचारों को आत्मसात करते हुए जाति-मुक्त और समानता पर आधारित समाज निर्माण के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि– जब समाज जागता है, तभी परिवर्तन होता है। कार्यक्रम में संगठन द्वारा मृत्यु भोज बंद कर श्रद्धांजलि सभा आयोजित करने वाले परिवारों, दहेज-मुक्त शादियां करने वाले नवदंपतियों, तथा जरूरतमंद बीमारों के लिए रक्तदान करने वाले समाजसेवियों को सम्मान पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। संगठन के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारियों ने संकल्प लिया कि समाज में व्याप्त कुरीतियों, अंधविश्वास, नशा, जातिगत भेदभाव और छुआछूत को समाप्त करने के लिए निरंतर जन-जागरण किया जाएगा तथा बाबा साहब अंबेडकर जी का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा।

12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 2

संपादकीय

चुनाव आयोग के साख पर सवाल

चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है। देश में लोकतांत्रिक सरकार को चुनने में वह अहम भूमिका का निर्वाह करता है। उसका दायित्व है कि वह साफ-सुथरा,निष्पक्ष व विश्वसनीय तरीके से लोकतांत्रिक महापर्व (लोकसभा व विधासभा)चुनावों को संपन्न कराए। लेकिन दुर्भाग्य है कि यह सर्वोच्च संस्था इन दिनों विवादों में उलझ गई है। विपक्ष उसकी भूमिका पर सवाल खड़ा करने लगा है। चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए जा रहे हैं। मतादता सूची विशेष गहन पुनरीक्षण(एसआईआर) को लेकर पूरे देश में विपक्ष ने हंगामा खड़ा कर रखा है। एक दर्जन से ज्यादा याचिकाएं इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। विपक्ष आरोप लगा रहा है कि एसआईआर के बहाने उसके समर्थक मतदाताओं का नाम मतदाता सूची से हटाया जा रहा है। वहीं सत्ता पक्ष का दावा है कि घुसपैठियों को मतदाता बनाए रखने के लिए विपक्ष एसआईआर को लेकर हंगामा खड़ा कर रहा है। लेकिन इस सबके केंद्र में चुनाव आयोग है। विपक्ष हमलावर है और चुनाव आयोग पर सत्ता पक्ष यानी सरकार के इशारे पर काम करने का आरोप लगा रहा है। यही कारण है कि चुनाव आयोग की साख विवादों में आ गई है। यह स्वस्थ लोकतंत्र का संकेत नहीं है। लोकतांत्रिक प्रणाली के निर्वाह में चुनाव आयोग की अहम भूमिका होती है। इसे कमतर नहीं होने देना चाहिए। ऐसे में जरूरी है कि तेजी से चुनाव सुधार हों और ये ऐसे सुधार हों,जिस पर सत्ता पक्ष और विपक्ष एकमत हों। लोकतंत्र में हार-जीत होती रहती है। लेकिन लोकतांत्रिक प्रणाली पर अगर अगुंली उठती है तो यह शुभ संकेत नहीं है। अच्छी बात यह है कि चुनाव सुधार को लेकर संसद में बहस हो रही है। लेकिन दुखद यह है कि यह बहस भी राजनीति से प्रेरित है। किसी सर्वमान्य नतीजे के लिए राजनीतिक दल सहमत होते नहीं दिखाई पड़ रहे हैं। अगर यही हाल बरकरार रहा तो चुनाव आयोग की साख लगातार कमजोर होती चली जाएगी। जो कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में नहीं होना चाहिए। ऐसे में जरूरी है कि चुनाव सुधारों को लेकर न केवल उद्देश्यपरक बहस हो,बल्कि किसी मान्य नतीजे पर पहुंचकर उसे लागू भी किया जाए। अगर लोकतंत्र का यह नियामक संस्था कमजोर होती है तो देश के लोकतांत्रिक भविष्य पर सवाल उठने लगेंगे। अभी भारतीय लोकतंत्र और चुनाव आयोग को लेकर देश-दुनिया में भारत की बहुत ऊंची साख है,उसे हर हाल बचाया जाना चाहिए। भारत का लोकतंत्र दुनिया के तमाम लोकतांत्रिक देशों के लिए नजीर माना जाता है। अगर एक बार इसकी साख खत्म हो गई तो दोबारा उसे हासिल करना संभव नहीं होगा। इसलिए चुनाव सुधारों को लेकर सकारात्मक बहस होनी चाहिए। विपक्ष अगर सवाल खड़ा कर रहा है कि मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों की चयन की प्रणाली निष्पक्ष नहीं है। इस प्रक्रिया में प्रधानमंत्री,नेता प्रतिपक्ष के साथ ही सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायधीश को शामिल किया जाना चाहिए। तो इसमें कुछ भी गलत नहीं है। बहुमत अगर सरकार के पक्ष में झुका रहेगा तो इनके चयन में विपक्ष की भूमिका का कोई औचित्य बचता। लेकिन ऐसे सवाल का व्यवाहारिक जवाब देने के बजाय सरकार पलटवार करती है और कहती है कि कांग्रेस के शासन में प्रधानमंत्री जिसे चाहते थे,वही चुनाव आयुक्त बन जाता था। तो अगर वह व्यवस्था गलत थी तो मौजूदा व्यवस्था को कैसे सही ठहराया जा सकता है। अगर मांग उठ रही है तो व्यावहारिक सुधार होनी चाहिए। आरोप-प्रत्यारोप में मूल विषय कहीं गुम हो जाता है। लोकतंत्र के हित में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को अपनी-अपनी जिम्मेदारी का निर्वाह करना चाहिए। विपक्ष को भी उचित मान व अधिकार हासिल होना चाहिए। वह भी जनता का ही प्रतिनिधित्व करता है। इसलिए उसके जो वाजिब सवाल हैं,उन्हें सुना जाना चाहिए। चुनाव आयुक्तों के चयन की प्रक्रिया को और पारदर्शी व लोकतांत्रिक बनाई जानी चाहिए। ताकि केंद्र इनके चयन में मनमानी न कर सके। अगर इनके चयन में केंद्र की भूमिका सीमित होगी तो चुनाव आयोग ज्यादा निष्पक्ष होकर अपना दायित्व निभा सकता है। इसलिए जरूरी है कि मुख्य चुनाव आयुक्त व अन्य चुनाव आयुक्तों के चयन को आदर्श लोकतांत्रिक ढांचे में लाने के लिए एक अधिकार प्राप्त समिति का गठन किया जाना चाहिए। जिसमें सत्तापक्ष व विपक्ष के सदस्यों के साथ ही कानूनविद भी शामिल हों। इसकी रिपोर्ट को सरकार सदन में रखे। अगर सहमति बने तो उसे लागू भी करना चाहिए।

बायोमेट्रिक जांच से लाखों संदिग्ध घुसपैठियों पर शिकंजा कसा

संजय सक्सेना

पहचान की प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने आधार कार्ड को बायोमेट्रिक तकनीक से मजबूत किया है, जहां फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन के जरिए संदिग्ध दस्तावेजों की जांच होती है। उत्तर प्रदेश में 2019 के संयुक्त सर्वे में करीब 10 लाख घुसपैठियों की पहचान की संभावना जताई गई थी, और अब छह वर्षों में उनकी संख्या में खासा इजाफा हो चुका है। अधिकतर घुसपैठिए खुद को पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम या त्रिपुरा का निवासी बताते हैं और फर्जी आधार कार्ड दिखाते हैं, जो पश्चिम बंगाल या असम में एजेंटों द्वारा बनाए जाते हैं। वोटर सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत संदिग्ध नाम हटाए जा रहे हैं, जैसे पश्चिम बंगाल में 15,000 बांग्लादेशी घुसपैठियों को सीमा पर खदेड़ा गया।

भारत सरकार के सामने बांग्लादेशी और रोहिंग्या मुसलमानों के रूप में देश में घुसपैठ करने वाले लोगों की समस्या एक जटिल और संवेदनशील चुनौती बन चुकी है। ये घुसपैठिए आधार कार्ड, वोटर कार्ड, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और यहां तक कि पासपोर्ट तक प्राप्त कर चुके हैं, जिससे उनकी पहचान करना बेहद कठिन हो गया है। केंद्र सरकार और राज्य सरकारें, खासकर उत्तर प्रदेश की योगी सरकार, इस समस्या से निपटने के लिए तकनीकी, कानूनी और प्रशासनिक कदम उठा रही हैं, लेकिन संसाधनों की कमी, कानूनी जटिलताएं और मानवाधिकार संबंधी बाधाएं प्रक्रिया को धीमा कर रही हैं।

पहचान की प्रक्रिया में केंद्र सरकार ने आधार कार्ड को बायोमेट्रिक तकनीक से मजबूत किया है, जहां फिंगरप्रिंट और आईरिस स्कैन के जरिए संदिग्ध दस्तावेजों की जांच होती है। उत्तर प्रदेश में 2019 के संयुक्त सर्वे में करीब 10 लाख घुसपैठियों की पहचान की संभावना जताई गई थी, और अब छह वर्षों में उनकी संख्या में खासा इजाफा हो चुका है। अधिकतर घुसपैठिए खुद को पूर्वोत्तर राज्यों जैसे असम या त्रिपुरा का निवासी बताते हैं और फर्जी आधार कार्ड दिखाते हैं, जो पश्चिम बंगाल या असम में एजेंटों द्वारा बनाए जाते हैं। वोटर सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत संदिग्ध नाम हटाए जा रहे हैं, जैसे पश्चिम बंगाल में 15,000 बांग्लादेशी

घुसपैठियों को सीमा पर खदेड़ा गया। पासपोर्ट और पैन कार्ड की प्रक्रिया में भी कड़ी निगरानी बढ़ाई गई है ताकि फर्जी दस्तावेज न बन सकें। निष्कासन की प्रक्रिया विदेशी नागरिक अधिनियम और नागरिकता संशोधन कानून पर आधारित है। संदिग्धों को डिटेंशन सेंटरों में रखा जाता है, जहां उनकी नागरिकता सत्यापित होती है। देशभर में दिल्ली सहित 18 डिटेंशन सेंटर कार्यरत हैं, जहां 1500 से अधिक विदेशी नागरिक रखे गए हैं, जिनमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या शामिल हैं। 2025 में मुंबई पुलिस ने 1001 बांग्लादेशी घुसपैठियों को वापस भेजा, जबकि असम और अन्य राज्यों से 142 रोहिंग्याओं का निष्कासन हुआ। बीएसएफ ने जनवरी 2024 से दिसंबर 2025 तक भारत-बांग्लादेश सीमा पर 2601 घुसपैठियों को पकड़ा। हालांकि, कई घुसपैठिए सीमा पार होने के बाद कुछ किलोमीटर दूर से वापस लौट आते हैं, और बांग्लादेश की सेना उन्हें अपना नागरिक मानने से इंकार कर देती है। योगी सरकार ने इस मुद्दे पर सबसे आक्रामक रुख अपनाया है। उत्तर प्रदेश में रोहिंग्या बस्तियों में 700 से 800 लोगों की पहचान हो चुकी है, जबकि 250 अन्यों का सत्यापन चल रहा है। लखनऊ से 160 घुसपैठी रातों रात भाग गए, और मेरठ में 500 क्षमता वाला डिटेंशन सेंटर बन रहा है। हर मंडल में डिटेंशन सेंटर स्थापित हो रहे हैं, साथ ही बायोमेट्रिक डेटाबेस तैयार किया जा रहा है ताकि घुसपैठिए दोबारा न लौटें। सहारनपुर में ऑपरेशन टॉर्च चल रहा है, जहां झुग्गी-झोपड़ियों, रेलवे स्टेशनों और सीमावर्ती इलाकों में तलाशी ली जा रही है। मुख्यमंत्री ने जनता से सहयोग मांगा है और वोटर सूची से नाम हटाने तथा कानूनी कार्रवाई का वादा किया है। रोहिंग्या आबादी पूरे भारत में करीब 40,000 बताई जाती है, लेकिन उत्तर प्रदेश में यह संख्या लाखों में हो सकती है।

इन प्रयासों के पीछे कई चुनौतियां हैं। पहचान के बाद सत्यापन में समय लगता है क्योंकि 10 लाख से अधिक घुसपैठिए छिपे हैं, जैसे कोलकाता में लाखों बांग्लादेशी फर्जी कागजों पर सरकारी लाभ ले रहे हैं। मूल निवासी वाले पूर्वोत्तर राज्यों से सत्यापन कराना मुश्किल होता है क्योंकि एजेंट नेटवर्क मजबूत है। मानवाधिकार संगठन और रेड क्रॉस निष्पक्षता की निगरानी करते हैं, जिससे प्रक्रिया धीमी पड़ती है। संसाधनों की कमी से उत्तर प्रदेश जैसे घनी आबादी वाले राज्य में अभियान प्रभावी ढंग से नहीं चल पाते। डिजिटल निगरानी, सैटेलाइट इमेजरी और पुलिस-राजस्व विभाग की संयुक्त टीमें काम कर रही हैं, लेकिन सीमावर्ती जंगलों, खेतों और नदियों में घुसपैठ जारी है। सामाजिक तनाव से बचने के लिए स्थानीय निवासियों के हितों का ध्यान रखना पड़ता है।

कुल मिलाकर, केंद्र सरकार ने गृह मंत्रालय के गजट नोटिफिकेशन से सभी राज्यों को डिटेंशन सेंटर बनाने के निर्देश दिए हैं। योगी सरकार के कदमों से घुसपैठियों में खौफ फैला है, जिसका असर पश्चिम बंगाल और बिहार तक दिख रहा है। यदि संसाधन बढ़ें, अंतरराष्ट्रीय सहयोग मिले और सत्यापन प्रक्रिया तेज हो, तो घुसपैठ रोकी जा सकती है। यह सुरक्षा, आर्थिक बोझ और सामाजिक शांति का संतुलन है, जहां तकनीक, कानून और प्रशासन की भूमिका निर्णायक होगी। देश की सीमाएं सुरक्षित रखने के लिए निरंतर सतर्कता और जन सहयोग आवश्यक है।

दिल्ली से नाराज़ हैं दो बाबू

अमर आनंद

बात फिर से चंद्र बाबू की। अपनी इमेज पर ग्रहण लगता देख चंद्र बाबू नायडू दिल्ली से बेहद नाराज हैं और हो भी क्यों न उनके बेटे जैसे कंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम नायडू पर केंद्र सरकार के एक करीबी कहे जाने पत्रकार ने हल्ला बोल दिया। बात इतनी बढ़ गई कि नायडू को उन सारे जख्मों की याद आ गई जो केंद्र और बीजेपी की ओर से उन्हें इस सरकार में या पिछली सरकारों में मिले थे। नायडू की पार्टी टीडीपी का सवाल है कि आखिरकार रेल हादसों पर रेल मंत्री और सड़क हादसों पर सड़क परिवहन मंत्री को दिल्ली के सरकार प्रेमी पत्रकार क्यों नहीं घेरते हैं?

केंद्र सरकार को समर्थन देने वाले दोनों बाबू चंद्र बाबू और नीतीश बाबू दोनों ही दिल्ली से नाराज हैं। चंद्रबाबू की नाराजगी सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से है तो नीतीश कुमार की नाराजगी गृहमंत्री अमित शाह से है। इंडिगो संकट के लिए अपनी पार्टी के कोटे के मंत्री राम मोहन नायडू को मीडिया द्वारा घेरे जाने से चंद्रबाबू नाराज हैं वहीं नीतीश बाबू इसलिए नाराज हैं कि दिल्ली में बैठक अमित शाह उनके एक्जिट प्लान तैयार करने में लगे हैं। अमित शाह की पूरी कोशिश दसवीं बार सीएम पद की शपथ लेकर सीएम बनने वाले नीतीश कुमार को रिटायर करवाकर बीजेपी का मुख्यमंत्री बनवाने की है और नीतीश कुमार ऐसा बिल्कुल नहीं चाहते हैं। इसलिए वह विपक्ष के सांसदों को जोड़कर राज्य में अपनी ताकत बढ़ाने में जुटे हुए हैं, ताकि बीजेपी का अनावश्यक दवाब ने झेलना पड़े और बीजेपी से अलग होकर वैकल्पिक सरकार गठन करने की नौबत आए तो उनके पास पर्याप्त संख्या बल हो।

बात फिर से चंद्र बाबू की। अपनी इमेज पर ग्रहण लगता देख चंद्र बाबू नायडू दिल्ली से बेहद नाराज हैं और हो भी क्यों न उनके बेटे जैसे कंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम नायडू पर केंद्र सरकार के एक करीबी कहे जाने पत्रकार ने हल्ला बोल दिया। बात इतनी बढ़ गई कि नायडू को उन सारे जख्मों की याद आ गई जो केंद्र और बीजेपी की ओर से उन्हें इस सरकार में या पिछली सरकारों में मिले थे। नायडू की पार्टी टीडीपी का सवाल है कि आखिरकार रेल हादसों पर रेल मंत्री और सड़क हादसों पर सड़क परिवहन मंत्री को दिल्ली के सरकार प्रेमी पत्रकार क्यों नहीं घेरते हैं? दिल्ली का मीडिया प्रधानमंत्री कार्यालय के इशारे पर काम करता है. यह बात कई मौके पर देखी, सुनी और समझी जाती रही है। 2020 में यूपी में हाथरस रेप मामले में भी जब दिल्ली की मीडिया योगी सरकार के खिलाफ पिल पड़ी थी तब भी ऐसा ही कहा गया था। खैर अभी बात चंद्र बाबू की पार्टी के कोटे के नागरिक उड्डयन मंत्री के खिलाफ मीडिया की खबरों की बात हो रही है। अतीत में वक्फ बिल जैसे कुछ मुद्दों में केंद्र से विरोध के स्तर पर असहमत रहने वाले चंद्र बाबू बीजेपी को लेकर पहले भी असहज रह चुके हैं। केंद्र बाबू की शिकायत राज्य में उनके विरोधी और अपनी सरकार के दौरान उन्हें जेल भिजवाने वाले जगन मोहन रेड्डी और उनके सांसदों को दिल्ली द्वारा तवज्जो दिए जाने को लेकर भी रही है लेकिन दिल्ली है कि मानती नहीं। यही वजह है कि चंद्र अब नाराजगी में दिल्ली के खिलाफ तपकर सूरज जैसा हो जाना चाहते हैं। चंद्र बाबू शातिर राजनेता हैं राज्य में अपने ससुर एनटीआर को 1995 में उनके साथ रहकर राजनीतिक झटके दे चुके हैं, 1999 में नायडू की पार्टी के स्पीकर जीएमसी बालयोगी की ओर से दी गई व्यवस्था की वजह से दिल्ली में वाजपेयी क सरकार एक वोट से गिर गई थी। चंद्र बाबू का एनडीए से खट्टा-मीठा रिश्ता रहा है। 2018 में उन्होंने एनडीए से नाता तोड़ लिया था और उसके बाद 2024 में फिर से उसके साथ आकर केंद्र की सरकार में भागीदारी निभा रहे हैं। चंद्रबाबू की पार्टी जिस तरह केंद्र की अल्पमत सरकार की पहली बैसाखी हैं, वैसे ही नीतीश बाबू केंद्र की दूसरी बैसाखी हैं। बीजेपी और इसके सबसे असरदार नेता केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की तरफ से खड़ी किए गए तमाम बाधाओं के बावजूद सीएम पद की शपथ लेने में कामयाब रहे नीतीश कुमार की कुछ ताकत पार्टी ने अपने हिस्से में रख ली है। बीजेपी का स्पीकर होना और गृह मंत्रालय भी अपने लिए रखना ये दोनों बातें नीतीश को खटक रही हैं इसलिए वह कभी बुल्डोजर के बहाने गृह मंत्री सम्राट को खटका रहे हैं तो बीजेपी नेताओं के ऑफिस में अपना विश्वस्त निजी सचिव रखवा रहे हैं। हालांकि नीतीश की इस काय पद्धति में कुछ नया नहीं है। ज्यादातर सीएम सरकार में ताकत का केंद्र खुद को रखना चाहते हैं, लेकिन इसके बावजूद नीतीश का मामला थोड़ा अलग है क्योंकि अमित शाह उनके आने के साथ ही उनके जाने के प्लान की तैयारी भी करने में जुटे हुए हैं। शाह के करीबी जेडीयू सांसद और जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा पटना में नीतीश के बेटे निशांत को राजनीति में लाने की बात करते हैं, तो उसके ठीक बाद नीतीश के एक्जिट प्लान को लेकर दिल्ली में अमित शाह गुप्त बैठक करते हैं और उसमें खुद संजय झा भी शामिल होते हैं।

कविता

हेल्दी फूड्स

सात रंगों के है सात चक्र सात रंगों की सात रोशनी,
लाल, नारंगी, पीला, हरा,नीला, जामुनी और बैंगनी,
प्राणिक ऊर्जा जीवन चक्र इन्हीं सातों रंगों का है मेल,
प्रतिदिन करना होगा हमें भोजन में नित इनका तालमेल ।

चलो आज खोलते हैं तन्दरूस्त सेहत का न्यू चैप्टर,
जानते हैं कुछ हेल्दी फूड्स फॉर हेल्दी बॉडी फैक्टर,
धरा पर मानव को प्रकृति ने दिया ये ₹आनंदर खजाना,
अनाजों फलों-सब्जियों बीजों मेवों में है अमृत सुहाना ।

संतरा, सेब, केला, जामुन, ब्लूबेरी, अमरूद और अनार,
सभी अति आवश्यक विटामिन्स की फलों में है भरमार,
चुकंदर, गाजर, ब्रोकली, टमाटर, खीरा, पालक व केले,
विभिन्न प्रकार के खनिज लवण इनमें स्वाद में अलबेले ।

सप्त धान ज्वार, गेहूँ, चावल, मूँग, उड़द, तिल व बाजरा,
इनकी अलग-अलग उपयोगिता व स्वास्थ्य से जुड़ाव गहरा,
आगे है मेथी, तुलसी, पुदीना, धनिया, सौंफ, जीरा, राई,
हल्दी, कालीमिर्च, दालचीनी, लौंग, इलायची खाओ भाई ।

प्रोटीन कार्बोहाइड्रेट वसा खनिज लवण व विटामिन्स,
शामिल करें संतुलित आहार में आप इनको प्रतिदिन,
भोजन में सभी तत्वों के सम्मिश्रण से दिखेगा असर,
रोगप्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ेगी कोशिकाओं के अन्दर ।

मोनिका डागा

आपका मत

यूनेस्को सम्मेलन

लाल किले के ऐतिहासिक परिसर में आयोजित यूनेस्को सम्मेलन में दीपावली को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में शामिल किया जाना पूरे भारत के लिए गर्व और आनंद का क्षण है, क्योंकि यह निर्णय न केवल भारतीय परंपराओं की गहराई को वैश्विक पहचान दिलाता है बल्कि उस आध्यात्मिक दृष्टि का सम्मान भी करता है जिसने सदियों से मानवता को प्रकाश, आशा और नैतिकता का संदेश दिया है; दीपावली को यह सम्मान मिलना भारतीय समाज की उस जीवंत सांस्कृतिक निरंतरता की स्वीकृति है जो अंधकार पर प्रकाश, अज्ञान पर ज्ञान और असत्य पर सत्य की जीत का प्रतीक रही है ।और विश्व समुदाय में इस उत्सव के बढ़ते प्रभाव ने सिद्ध कर दिया है कि भारतीय दर्शन की धारणा सीमाओं से परे मानव मन को प्रेरित कर रही हैं। प्रधानमंत्री द्वारा इसे भारतीय सभ्यता की आत्मा कहा जाना इस तथ्य पर मुहर लगाता है।आज जब मानवता अनेक चुनौतियों, संघर्षों और विभाजन से जूझ रही है, ऐसे में दीपावली का संदेश और भी महत्वपूर्ण हो जाता है, क्योंकि यह उत्सव बताता है कि स्थायी समाधान बाहरी शक्ति में नहीं बल्कि भीतरी उजास, सत्यनिष्ठा और सामूहिक सद्भाव में निहित हैं; इसलिए, यूनेस्को द्वारा दीपावली की यह मान्यता केवल एक सूची में दर्ज होना नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए उसकी स्वीकृति है जो भारत हजारों वर्षों से दुनिया को दिखाता आया है।

वीरेंद्र कुमार जाटव

Legal heir certificate- क्या है कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र जानिए सभी प्रश्नों के उत्तर जो आप जानना चाहते हैं

केंद्रीय कर्मचारी एवं विभिन्न राज्य सरकारों की कर्मचारियों को सेवा के दौरान हर साल नॉमिनेशन फॉर्म भरना होता है। जिसमें वह घोषित करता है कि यदि उसकी मृत्यु हो जाती है तो उसकी पेंशन, एफबी, इंश्योरेंस, बैंक बैलेंस इत्यादि किस व्यक्ति को दिया जाए। लेकिन यदि कर्मचारी नॉमिनेशन फॉर्म नहीं भरता अथवा किसी भी व्यक्ति को अपना नॉमिनी घोषित नहीं करता तब उसकी मृत्यु के पश्चात उसकी संपत्ति आदि के वारिस का निर्धारण कैसे करेंगे। आइए समझते हैं-

Legal heir certificate क्या है (कानूनी उत्तराधिकारी प्रमाण पत्र)

कोई भी शासकीय सेवक जो राज्य सरकार या केन्द्र सरकार के अधीन कार्य कर रहा है उसकी मृत्यु हो जाती है तब उसकी संपत्ति पर अधिकार रखने वाले व्यक्ति का एक वारिस प्रमाण पत्र बनाया जाता है उसे लीगल हेयर सर्टिफिकेट कहते हैं। किसी प्रमाण पत्र के आधार पर वह दिवंगत कर्मचारी की संपत्ति, बैंक लॉकर, बैंक एफडी एवं पेंशन इत्यादि पर अपने अधिकार का दावा कर पाता है।

Legal heir certificate हेतु योग्यता

मृतक व्यक्ति की पत्नी।
मृतक व्यक्ति का बेटा।
मृतक व्यक्ति की बेटी।
मृतक व्यक्ति की माता।
मृतक व्यक्ति के पिता।

Legal heir certificate- कौन बनाता है, कैसे बनता है, कितने समय में बनता है जानिए-

वारिस प्रमाण पत्र राजस्व विभाग द्वारा तहसीलदार कार्यालय द्वारा बनाया जाता है एवं इसका सत्यापन तहसीलदार या स्ष्डरू द्वारा किया जाता है। यह प्रमाण पत्र 14 दिन से एक माह के बीच में बन जाता है। अगर किसी कारण से जाँच अधिकारी द्वारा वारिस प्रमाण पत्र का आवेदन खारिज (निरस्त) कर दिया जाता है तब कलेक्टर कार्यालय में इसकी अपील की जा सकती है।

Legal heir certificate हेतु डॉक्यूमेंट लिस्ट-

1. आवेदक का शपथ पत्र।
2. जहाँ शासकीय सेवक कार्य करता था वहाँ के कार्यालय का प्रमाण पत्र।
3. शासकीय सेवक का मृत्यु प्रमाण पत्र।
4. पहचान पत्र, स्थाई निवासी प्रमाण पत्र आदि।

Legal heir certificate कहां पर काम आता है जानिए-

वारिस प्रमाण पत्र मृत शासकीय सेवक की संपति जैसे उसकी पेंशन प्राप्त करने, क्लेम, रिटायरमेंट फंड, पीएड, इंश्योरेंस, बीमा, बैंक रुपये, अनुकम्पा नियुक्ति आदि प्राप्त करने के लिए जरूरी होता है।

✍ लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम)
9827737665

मानव अधिकार क्या होते हैं जानिए Know what are human rights ?

मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य विश्वभर में मानवाधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और लोगों को उनके अधिकारों के बारे में जानकारी देना है ।

मानवाधिकार क्या हैं? मानवाधिकार वे अधिकार हैं जो हर व्यक्ति को सिर्फ इसलिए मिलते हैं क्योंकि वह एक इंसान है। ये अधिकार किसी सरकार या राष्ट्र द्वारा दिए नहीं जाते, बल्कि ये हर मानव के अस्तित्व के साथ स्वाभाविक रूप से जुड़े होते हैं ।

मानवाधिकार के प्रकार :

मानवाधिकारों को मुख्यत: दो श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है-

1. नागरिक और राजनीतिक अधिकार- ये अधिकार व्यक्ति की स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा करते हैं, जैसे कि जीवन का अधिकार, स्वतंत्रता का अधिकार, और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार।
2. आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार- ये अधिकार व्यक्ति की भौतिक और सांस्कृतिक भलाई को सुनिश्चित करते हैं, जैसे कि शिक्षा का अधिकार, काम का अधिकार, और स्वास्थ्य का अधिकार ।

मानवाधिकार दिवस क्यों मनाया जाता है? मानवाधिकार दिवस 10 दिसंबर 1948 को संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा मानवाधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा को अपनाने के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। इस घोषणा में 30 अनुच्छेद हैं जो मानवाधिकारों के विभिन्न पहलुओं को परिभाषित करते हैं।

✍ -लेखक एडवोकेट बीआर अहिरवार (विधिक सलाहकार नर्मदापुरम) 9827737665

12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 3

न्यूज़ ब्रीफ

सड़क पर दौड़ रही कार में अचानक लगी आग

भोपाल। कोहेफिज़ा थाना क्षेत्र में रॉयल मार्केट रोड पर बीती शाम उस समय अफरा- तफरी फैल गयी जब यहां सड़क पर दौड़ रही कार में अचानक आग लग गई। कार में एक महिला, एक छोटा बच्चा समेत 5 लोग बैठे थे। गनीमत रही कि कार से धुआं निकलते देख सभी लोग फ़ौरन बाहर निकल गए, जिससे बड़ा हादसा होने से बच गया। जानकारी के मुताबिक शाम करीब 5 बजे के आसपास एक सफेद रंग की कार रॉयल मार्केट रोड से हमीदिया अस्पताल की तरफ जा रही थी। तिराहे पर अचानक ही कार के पिछले हिस्से से धुआं और चिंगारी निकलने लगी। यह देख कार में सवार दो महिलाएं और दो पुरुष तुरंत बाहर उतर आए, बताया गया है कि एक महिला की गोद में छोटा बच्चा भी था। गनीमत रही कि आग के कार को चपेट में लेने से पहले उसमे बैठे सब लोग बाहर आ गए वरना कोई अनहोनी हो सकती थी। कार में आग लगी देख पीछे आ रहे नगर निगम के शव वाहन चालक अर्सलान खान ने तुरंत फायर स्टेशन पर सूचना दी। दमकल के पहुंचने से पहले तेज़ी से भड़की आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। मोके पर पहुंची फतेहगढ़ फायर स्टेशन की दमकल ने आग पर काबू पाया।

जेल में बंद कैदी ने दो बंदियों पर हथियार से किया हमला

भोपाल। राजधानी भोपाल की केन्द्रीय जेल के मुलाकात कक्ष में बीती दोपहर उस समय हड़कंप मच गया, जब हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे एक कैदी ने दो विचाराधीन बंदियों पर ब्लेड नुमा हथियार से जानलेवा हमला कर दिया। घटना का कारण जेल के बाहर की पुरानी रंजिश बताया जा रहा है। घटना के समय दोनों विचाराधीन बंदी मुलाकाती समय में अपने परिचितों से फोन पर बात कर रहे थे। फिलहाल घायलों का जेल के अस्पताल में इलाज चल रहा है। जेल प्रबंधन की सूचना पर गांधी नगर पुलिस ने आगे की कार्यवाही शुरू कर दी है। मिली जानकारी के मुताबिक ऐशबाग थाना इलाके में रहने वाले फरहान खान को मार्च 2025 में बासौदा कोर्ट से हत्या के एक मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। सजा सुनाए जाने के बाद वहां से उसे भोपाल की केन्द्रीय जेल शिफ्ट कर दिया गया था। करीब 9 माह से फरहान खान केन्द्रीय जेल भोपाल में बंद है। जेल प्रबंधन के मुताबिक बुधवार को मुलाकाती समय में दो विचाराधीन बंदी शुभम पुत्र भूरा और अरबाज पुत्र रफीक खान, मुलाकात कक्ष में मिलने आये अपने परिचितों से बात करने पहुंचे थे।

सातवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाई

भोपाल। सूखी सेवनिया थाना क्षेत्र में रहने वाली सातवीं कक्षा की छात्रा ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। वह मामा के घर रहती थी। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। एसआई केसी यादव ने बताया कि आरूषी यादव पुत्री मनीष यादव (13) मामा के घर अमौनी गांव में रहती थी और गांव के ही एक स्कूल में सातवीं कक्षा की छात्रा थी। उसके माता-पिता मजदूरी करते हैं और मंडीदीप के करीब रायसेन जिले के एक गांव में रहते हैं। गुरुवार की सुबह उसके शव को परिजनों ने फंदे पर लटका देखा था। जिसके बाद उसे फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने चेक करने के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी है। गांव में उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया है। पुलिस का कहना है कि कमरे की तलाशी में कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। परिजनों के डिटेल बयानों के बाद ही खुदकुशी के कारणों का खुलासा हो सकेगा।

नाइट ड्यूटी के दौरान पुलिस जवानों को कार ने मारी टक्कर, बड़ा हादसा टला

भोपाल। राजधानी भोपाल में बीती देर रात लिंक रोड पर उस समय बड़ा हादसा टल गया जब नाइट शिफ्ट की ड्यूटी कर रहे 4 पुलिसकर्मियो को एक तेज रफ्तार वाहन चालक ने जोरदार टक्कर मार दीं। हादसे में पुलिस जवान बाल-बाल बच गए। जानकारी के मुताबिक देर रात पुलिस टीम पैट्रौलिंग पर थी, इसी दौरान शराब के नशे में धुत एक वाहन चालक ने तेज रफ्तार से आकर पुलिस की गाड़ियों में जोरदार टक्कर मार दी। गनीमत रही की पुलिस के चारों जवानो को गंभीर चोट नहीं आई। टक्कर इतनी तेज थी की कार पलटकर बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। इस दौरान कार में सवार लोगों को बाहर निकाला गया। हादसे के बाद चालक को मौके पर ही हिरासत में ले लिया गया।

बिजुरी में श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र का भव्य शुभारंभ, क्षेत्रवासियों को मिलेंगी बेहतर नेत्र सेवाएँ

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर/ बिजुरी

क्षेत्रवासियों को उत्कृष्ट नेत्र जांच सेवाएँ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से, श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र का भव्य शुभारंभ आज बिजुरी में हुआ। इस महत्वपूर्ण केंद्र का उद्घाटन प्रदेश के मंत्री दिलीप जायसवाल नगरपालिका अध्यक्ष सहबिन पनिका एवं उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर प्रेमचंद यादव, दीपक शर्मा,मुकेश जैन,भूपेंन्द्र महरा, पुरसोत्तम साहू मंडल अध्यक्ष रिंकू शर्मा,कैलाश कोल, पार्षद लक्ष्मी शुक्ला, कलावती सिंह, नमिता कोल प्रतिनिधि बालकिशन सिंह,शम्भू साहू, अनूप तिवारी, अजीत सिंह, सुभसिश सरकार बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक और स्वास्थ्य प्रेमी उपस्थित रहे।

मंत्री जायसवाल ने किया नेत्र जांच केंद्र का उद्घाटन : उद्घाटन करते हुए मंत्री दिलीप जायसवाल ने इसे बिजुरी क्षेत्र के स्वास्थ्य सेवाओं में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर बताया। उन्होंने कहा मुझे पूर्ण विश्वास है यह केंद्र क्षेत्रवासियों को बेहतर नेत्र जांच सेवाएँ प्रदान कर उनके स्वास्थ्य संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि आंखें ईश्वर का अनमोल उपहार हैं और उनकी देखभाल अब इस नए और आधुनिक केंद्र के माध्यम से सुलभ हो जाएगी।

नपा अध्यक्ष-उपाध्यक्ष ने दी शुभकामनाएं : नगरपालिका अध्यक्ष सहबीन पनिका और उपाध्यक्ष प्रीति सतीश शर्मा ने भी इस पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह केंद्र शहर और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए वरदान साबित होगा जिन्हें अब गुणवत्तापूर्ण नेत्र जांच के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने केंद्र के संचालक डॉ. जयंत एक्का, डॉ. रामकेश द्विवेदी को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे सेवाभाव के साथ कार्य करेंगे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस : श्री गणेश विनायक नेत्र जांच केंद्र में अत्याधुनिक मशीनों और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ उच्च गुणवत्ता वाली नेत्र जांच और परामर्श की सुविधा उपलब्ध होगी। केंद्र के प्रबंधन ने बताया कि उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि क्षेत्र का कोई भी व्यक्ति नेत्र संबंधी समस्याओं के कारण कष्ट न उठाए। इस केंद्र के खुलने से बिजुरी और आसपास के इलाकों में नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी और समय पर उपचार मिल सकेगा, जिससे क्षेत्र के लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

विरासत, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण का संगम

महिला बाल विकास मंत्री सुश्री भूरिया ने गौहर महल में 'परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल 'का किया उद्घाटन

भोपाल। राजधानी के ऐतिहासिक गौहर महल में 11-14 दिसम्बर तक आयोजित परी बाज़ार हेरिटेज फ़ेस्टिवल-2025 के छठे संस्करण का महिला एवं बाल विकास मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने शुभारम्भ किया। उन्होंने कहा कि फेस्टिवल की आत्मा—महिला सशक्तिकरण, परंपरा और सांस्कृतिक विरासत की सराहना करते हुए कहा कि परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल केवल एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि भोपाल की ऐतिहासिक पहचान और महिलाओं की प्रगति का जीवंत प्रतिनिधित्व है।

उन्होंने बताया कि 150 वर्ष पुरानी महिला बाज़ार की परंपरा को आधुनिक स्वरूप में पुनर्जीवित करने वाला यह फेस्टिवल महिलाओं की आर्थिक और सामाजिक भूमिका को नए अवसर प्रदान करता है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने बेगम ऑफ भोपाल क्लब और डब्लूईएस की टीम को 2017 से निरंतर महिला सशक्तिकरण के लिए किए जा रहे कार्यों के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि संस्था द्वारा झुग्गी-बस्तियों की महिलाओं को शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और

सम्मानजनक आजीविका से जोड़ना, समाज में सकारात्मक परिवर्तन का सशक्त उदाहरण है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने लाड़ली लक्ष्मी, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, लाड़ली बहना योजना, और लगभग एक लाख आंगनबाड़ियों के माध्यम से मातृ एवं बाल पोषण को मजबूत करने का उल्लेख करते हुए कहा कि मध्य प्रदेश महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में देश में अग्रणी राज्य है।उन्होंने बताया कि डब्लूईएस द्वारा 7 आंगनबाड़ी केंद्रों को गोद लिया है और संस्था अब तक 2000 से अधिक महिलाओं और युवतियों को शिक्षा, कौशल और आजीविका के अवसर से जोड़ चुकी है।

मंत्री सुश्री भूरिया ने इस वर्ष फेस्टिवल में शामिल ट्राइबल फ़ूड फेस्टिवल की विशेष प्रशंसा करते हुए कहा कि जनजातीय समाज की पाकङ्कपरंपरा न केवल स्वाद का अद्भुत अनुभव देती है, बल्कि प्रकृति-सम्मत जीवन का अनूठा ज्ञान भी समाहित करती है।उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के सांस्कृतिक धरोहर संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख करते हुए कहा कि परी बाज़ार हेरिटेज फेस्टिवल संस्कृति, परंपरा और आधुनिक महिलाङ्कशक्ति को एक मंच पर प्रस्तुत करता है। सुश्री भूरिया ने कहा कि भोपाल के नागरिकों का सहयोग इस आयोजन को और अधिक प्रभावी बनाएगा तथा यह फेस्टिवल महिलाओं की क्षमता, मेहनत और उपलब्धियों को नई पहचान देता रहेगा।

मंत्री सुश्री भूरिया ने गौहर महल परिसर में लगी विभिन्न कला, हुनर, जनजातीय भोजन, हस्तशिल्प और स्वयंसिद्धा महिलाओं की उपलब्धियों को दर्शाने वाली प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा महिला उद्यमियों से संवाद कर उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में मंत्री सुश्री निर्मला भूरिया ने विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य कर समाज को दिशा देने वाली 15 विशिष्ट महिलाओं को इस वर्ष के अनुवा सम्मान से सम्मानित किया। इसके अलावा आर्ट ऑफ पेंटिंग के लिए फैजल मतीन, शामिम अहमद लिट्रेटरी अवॉर्ड इकबाल मसूद, नजीम शमीम स्पोर्ट्स अवॉर्ड ज्योति रात्रे, विक्रमजीत सेठी एन्टरप्रेन्योर अवॉर्ड करण कुकरेजा, मसरूर अनवर मेमोरियल अवॉर्ड सदाफ सोहेल, कुलभूषण दिल्लौरी स्मृति सम्मान मो. साजिद और सुखन-ए-भोपाल अवॉर्ड डॉ. नुसरत मेहंदी और कीर्ति सूद को दिया गया।

मध्यप्रदेश रिकॉर्ड तोड़ ठंड की चपेट में, पारा 3 डिग्री तक गिरा

भोपाल। मध्यप्रदेश में इस बार दिसंबर की शुरुआत से ही तेज ठंड का दौर बना हुआ है। हिमालयी क्षेत्रों में लगातार सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टर्बेंस) और उत्तरी हिस्सों में जेट स्ट्रीम के असर के कारण प्रदेश में तापमान तेजी से गिर रहा है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार 13 दिसंबर से एक और नया सिस्टम बन रहा है, जिसकी वजह से अगले कई दिनों तक ठंडी और बर्फीली हवाएं लगातार बहेंगी। गुरुवार को भोपाल, इंदौर, राजगढ़, शाजापुर और सीहोर में शीतलहर का अलर्ट जारी किया गया है।

भोपाल में लगातार छठे दिन भी शीतलहर चली। मलाजखंड में पारा 22.7 डिग्री तक पहुंचा, जबकि नरसिंहपुर, रीवा, सीधी, बैतूल और धार में तापमान 26 डिग्री के अंदर रहा। मंगलवार-बुधवार की रात कई शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री से नीचे दर्ज हुआ। इंदौर में पारा 5.4 डिग्री तक पहुंच गया, वहीं भोपाल में 6.8 डिग्री, ग्वालियर में 9.3 डिग्री, उज्जैन में 8.7 डिग्री और जबलपुर में 9.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

सीजन में पहली बार तापमान 3 डिग्री तक गिरा

मौसम विभाग के अनुसार, प्रदेश का सबसे ठंडा स्थान शहडोल का कल्याणपुर रहा, जहां सीजन में पहली बार तापमान 3 डिग्री तक गिर गया। उमरिया का न्यूनतम तापमान 4.9 डिग्री रहा। पचमढ़ी और राजगढ़ में पारा 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। रीवा में 5.8 डिग्री, मलाजखंड में 6.7 डिग्री, मंडला और नौगांव में 7 डिग्री, रायसेन में 7.4, छिंदवाड़ा में 7.8 और शिवपुरी में 8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया।

सर्दी बढ़ने की मुख्य वजह

उत्तर भारत में जेट स्ट्रीम का प्रभाव भी इस बार अधिक दिख रहा है। यह हवा लगभग 12 किलोमीटर की ऊंचाई पर 222 किमी प्रतिघंटा की रफ्तार से बह रही है। इसके सक्रिय होने से एमपी में तापमान और तेजी से गिर रहा है। पहाड़ों से आ रही बर्फीली हवा के साथ जेट स्ट्रीम के जुड़ने से ठंड का असर दोगुना हो गया है। हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में समय से पहले हुई बर्फबारी ने भी ठंड की तीव्रता बढ़ाई है।

रिकॉर्ड तोड़ रही है सर्दी

भोपाल में इस बार नवंबर में 84 साल का रिकॉर्ड टूट चुका है। लगातार 15 दिन शीतलहर चली, जबकि एक रात तापमान 5.2 डिग्री तक जा पहुंचा। इंदौर में भी 25 साल में सबसे ज्यादा ठंड दर्ज हुई। दिसंबर में भी यह सिलसिला जारी है और कई शहरों में पिछले 10 साल के रिकॉर्ड टूट रहे हैं।मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दिसंबर और जनवरी में प्रदेश में ठंडी हवाओं का असर सबसे ज्यादा रहता है।

मध्यप्रदेश में राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट सम्पन्न

राष्ट्रीय स्तर पर चयनित होंगे 26 श्रेष्ठ अधिकारी

भोपाल। 69वीं अखिल भारतीय पुलिस ड्यूटी मीट में मध्यप्रदेश पुलिस का प्रभावी और सशक्त प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय राज्य स्तरीय पुलिस ड्यूटी मीट का आज दिनांक 11 दिसंबर को डायल 112 के स्टेट कमांड सेंटर, भोपाल में समापन हुआ। इस आयोजन में प्रदेश के विभिन्न जोन, जिलों और इकाइयों से कुल 107 प्रतिभागियों ने भाग लिया, जिन्होंने अपनी-अपनी संबंधित तकनीकी एवं वैज्ञानिक विधाओं में उत्कृष्ट कौशल और उच्च स्तर की तैयारी का प्रदर्शन किया। दो दिवसीय इस प्रतियोगिता में साइंटिफिक एड्स टू इन्वेस्टिगेशन श्रेणी के अंतर्गत विवेचना अधिकारियों ने मेडिको-लीगल ओरल परीक्षा, क्रिमिनल लॉ, फिंगरप्रिंट परीक्षण, ऑब्जर्वेशन टेस्ट, पोर्ट्रेट पार्ले, हैंडलिंग-लिफ्टिंग-पैकिंग-सीलिंग तथा एग्जिबिट्स के फॉरवर्डिंग की वैज्ञानिक प्रक्रिया जैसी महत्वपूर्ण विधाओं में अपनी दक्षता का प्रत्यक्ष प्रदर्शन किया। ये सभी विधाएँ वास्तविक अपराध अन्वेषण और न्यायालयीन प्रक्रिया से सीधे जुड़ी होने के कारण अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रतिभागियों ने इन्हें बेहद पेशेवर तरीके से प्रस्तुत किया। वहीं पुलिस फोटोग्राफर्स द्वारा एक्सपर्ट पुलिस फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी परीक्षा में उत्कृष्ट तकनीकी समझ, एविडेंस डाक्यूमेंटेशन की सटीकता और आधुनिक उपकरणों के उपयोग में उनकी निपुणता स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (तकनीकी सेवाएँ) के. पी. वेंकटेश्वर राव, उमनि एवं संचालक एफएसएल शशिकांत शुक्ला तथा एफएसएल के संयुक्त संचालक प्रभारी सहित अनेक वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर राव ने सभी प्रतिभागियों को वैज्ञानिक साक्ष्य के महत्व, न्यायालय में प्रभावी प्रकरण प्रस्तुति, डीएनए एवं अन्य प्राथमिक साक्ष्यों के संकलन की शुद्ध विधि, तथा आधुनिक तकनीक के उपयोग पर अत्यंत महत्वपूर्ण जानकारी दी।

चिकित्सक भगवान का दूसरा रूप होता है : राज्यपाल

73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का किया शुभारंभ

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि भगवान सभी जगह नहीं पहुँच पाते हैं, इसलिए उन्होंने चिकित्सक बनायें हैं। भगवान का दूसरा रूप चिकित्सक ही होता है। सम्मेलन आयोजन की सराहना करते हुए अपेक्षा की है कि चार दिवसीय सम्मेलन का निष्कर्ष समाज के लिए उपयोगी सिद्ध होगा।

राज्यपाल पटेल गुरूवार को न्यूरोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ इंडिया (NSI) द्वारा आयोजित 73वें वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन के शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने न्यूरोलॉजी विषय पर दो पुस्तकों का लोकार्पण किया। विद्वान चिकित्सकों को सम्मानित किया। विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर इंदौर में आयोजित कार्यक्रम में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मौजूद थे।

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मानव शरीर का मुख्य संचालक मस्तिष्क होता है। मस्तिष्क ही सभी इंद्रियों का नियंत्रणकर्ता है। हमारा मस्तिष्क स्वस्थ और शांत रहे, इस दिशा में न्यूरो सर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट चिकित्सकों की विशेष भूमिका है। न्यूरो सर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट उन्नत चिकित्सा, प्रमाणिक ज्ञान और संवेदनशीलता से मस्तिष्क का ईलाज करते हैं। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और मन के लिए शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक तंदुरूस्ती भी जरूरी है। इसके लिए मस्तिष्क का स्वस्थ और शांत रहना बहुत जरूरी है। राज्यपाल पटेल ने कहा कि हम सभी अच्छी सेहत के लिए मोटे अनाज का सेवन करें। खूब पानी पीयें, अच्छी नींद लें और नियमित व्यायाम करें। फास्ट फूड खाने से बचे।

मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि इंदौर स्वास्थ्य की राजधानी है। यहाँ के चिकित्सक मरीजों की सेवा में हमेशा तत्पर रहते हैं। सेवा भावना के साथ कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में स्वास्थ्य चिकित्सा के क्षेत्र में लगातार शोध और अनुसंधान हो रहे हैं। चिकित्सा गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम में एनएसआइकॉन के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. वसंत डाकवाले, ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. जे. एस. कठपाल, डॉ. मानस पाणिगही, अध्यक्ष डॉ. मानस पाणिग्रही, अध्यक्ष-निर्वाचित डॉ. के. श्रीधर, एजुकेशन एंड ट्रेनिंग कमेटी के चेयरमैन डॉ. लुईस बोर्बा और बड़ी संख्या में न्यूरोसर्जन और न्यूरोलॉजिस्ट उपस्थित थे।

10वीं एवं 12वीं के छात्रों के भविष्य की तैयारियो को लेकर निशुल्क सेमिनार का आयोजन 14 को

परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी का सराहनीय प्रयास

भोपाल। 10वीं एवं 12वीं की पढ़ाई के बाद इसमें शामिल छात्रों का अपना कैरियर बनाने और सही गांइडेंस देने के लिये परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी द्वारा हेतु निशुल्क सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। सोसाइटी के सदस्य आबिद मो. खॉन ने जानकारी देत हुए बताया की शहर के छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण शैक्षणिक पहल के रूप में नि:शुल्क काउंसलिंग, परीक्षा मार्गदर्शन एवं मोटिवेशन सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है।

यह सेमिनार विशेष रूप से 10वीं 11वीं और 12वीं कक्षा के उन विद्यार्थियों के लिए तैयार किया गया है, जो आगामी बोर्ड परीक्षाओं

की तैयारी कर रहे हैं, और अपने करियर को लेकर सही दिशा-निर्देश प्राप्त करना चाहते हैं। कार्यक्रम में विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, वकील, स्पोर्ट्स पर्सन, सिविल सर्वेंट और साइकोलॉजिस्ट छात्रों को सीधे मार्गदर्शन देंगे। उनके अनुभव और सलाह से विद्यार्थियों को आगामी परीक्षा के साथ-साथ भविष्य की पढ़ाई और करियर विकल्पों के बारे में स्पष्ट मार्ग मिलेगा। सेमिनार का आयोजन रविवार, 14 दिसम्बर 2025 को पॉलिटेक्निक ऑडिटोरियम में सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जाएगा।

आबिद खॉन ने आगे बताया की इस सेमिनार में प्रवेश पूरी तरह निशुल्क है, लेकिन सीटें सीमित होने के कारण केवल रजिस्टर्ड छात्रों को ही प्रवेश दिया जाएगा। रजिस्ट्रैशन के लिये छात्र इन नंबरो 9753018899, 9827071826, 9303111473, 9826259903 पर संपर्क कर सकते है। परवाज़ सोशल अवेयरनेस एंड सोसाइटी के पदाधिकारियों ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य है, कि हर छात्र को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन मिले, चाहे उसकी आर्थिक या सामाजिक परिस्थितियाँ कैसी भी हों।

मप्र पुलिस की मासूमों की सकुशल बरामदगी में त्वरित कार्रवाई

विदिशा, सागर और ग्वालियर पुलिस ने अपहृत बच्चों को सुरक्षित दस्तयाब कर परिवार से मिलाया

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस ने एक बार फिर त्वरित, प्रभावी और संवेदनशील कार्रवाई का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। प्रदेश के तीन जिलों— विदिशा, ग्वालियर और सागर में अपहरण एवं गुमशुदगी से जुड़े तीन महत्वपूर्ण मामलों में पुलिस ने अद्भुत दक्षता और मानवीय संवेदना का परिचय दिया। दो अपहरण मामलों में मासूम बच्चों को रिकॉर्ड समय में सुरक्षित बरामद कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया, वहीं सागर में पुलिस की संवेदनशील पहल से 17 वर्ष बाद गुमशुदा बालिका अपने परिवार से पुन: मिल सकी। थाना कोतवाली क्षेत्र से तीन वर्षीय बालिका के अपहरण की सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक श्री रोहित काशवानी के निर्देशन में ऑपरेशन मुस्कान के अंतर्गत 8 टीमों का गठन किया गया। इन टीमों ने 235 से अधिक सीसीटीवी फुटेज का विश्लेषण, 135 से अधिक लोगों से पूछताछ तथा कई इलाकों में सघन तलाशी अभियान चलाया। जिसके परिणामस्वरूप ऑटो चालक बृजेश कुशवाहा की पहचान हुई, जिसके आधार पर पुलिस आरोपियों तक पहुँची। अभियुक्त अर्जुन सिंह पाल, हरिबाई, रवि पाल और जितेंद्र पाल ने बच्ची को सौदे के उद्देश्य से अपहरण करने की बात स्वीकार की। पुलिस ने बच्ची को सकुशल बरामद कर परिवार को सौंपा। थाना बहोड़ापुर क्षेत्र से डेढ़ वर्षीय रोहित के गुम होने की सूचना पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देशन में त्वरित खोजबीन प्रारंभ की गई।

12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 4

भारतीय सशस्त्र सेवा कोर दिवस बड़े उत्साह, गरिमा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम। भारतीय सशस्त्र सेवा कोर दिवस दिनांक 08/12/25 के अवसर पर शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम में आज भारतीय सशस्त्र सेवा कोर दिवस बड़े उत्साह, गरिमा और देशभक्ति की भावना के साथ मनाया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डा. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के संयोजक राजदीप भदोरिया ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय में आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया,

जिसमें विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत, देशभक्ति कविताएँ तथा विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय सशस्त्र बलों के प्रति गहन सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति की भावना का संवर्द्धन करना और देश की सुरक्षा में निरंतर तत्पर भारतीय सशस्त्र बलों के अमूल्य योगदान को नमन करना था। कार्यक्रम के अंत में डा. ओम शर्मा ने सभी अतिथियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के प्रति आभार व्यक्त किया। महाविद्यालय परिसर में आयोजित इस आयोजन ने सभी उपस्थितजनों में नई ऊर्जा, गौरव और देशप्रेम की भावना का संचार किया।

14 दिसंबर 2025 को इंदरगढ़ में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण परामर्श शिविर

युवा प्रदेश, ग्वालियर। सहारा हॉस्पिटल जो इंद्रप्रस्थ अपोलो हॉस्पिटल नई दिल्ली का नेटवर्क हॉस्पिटल है सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर का प्रतिष्ठित अस्पताल है जिसमें आयुष्मान योजना के अंतर्गत निशुल्क इलाज की सुविधा है इसके साथ-साथ एमएलसी सुविधा भी उपलब्ध है मेडिक्लेम पॉलिसी धारकों के लिए कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन की सुविधा भी उपलब्ध है सहारा हॉस्पिटल मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल है जिसमें 24 घंटे इलाज एवं आकस्मिक इलाज की व्यवस्था है सहारा हॉस्पिटल ग्वालियर के संचालक सुप्रसिद्ध चिकित्सक डॉ ए एस भल्ला नाक कान गला रोग विशेषज्ञ है सहारा हॉस्पिटल में सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा किया जाता है पैथोलॉजी जांच एक्स-रे अल्ट्रासाउंड एक ईसीजी आदि जाचें कराने की सुविधा एक ही छत के नीचे है सहारा हॉस्पिटल के सुप्रसिद्ध डॉ ए एस भल्ला के द्वारा सहारा समिति एवं सहारा ट्रस्ट द्वारा ग्वालियर चंबल संभाग के जिला तहसील एवं ब्लॉक कस्बा में निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण तथा परामर्श भी लगाए जाते इसके अलावा डॉक्टर ए एस भल्ला द्वारा भर्ती मरीजों के अटेंडर को निशुल्क भोजन की व्यवस्था दोनों टाइम कराई जाती है अब सहारा हॉस्पिटल महलगांव सोफिया कॉलेज केंपस सिटी सेंटर ग्वालियर मध्य प्रदेश में स्थित है आगामी निशुल्क नेत्र एवं स्वास्थ्य परीक्षण तथा परामर्श सेवा 14 दिसंबर 2025 रविवार को समय सुबह 10ः00 से दोपहर 2ः00 तक जिला दतिया के इंदरगढ़ में आर एस ऑप्टिकल्स शोरूम नगरिया कांपलेक्स भांडेर रोड पर लगाया जाएगा आम जनता से अपील है कि 14 दिसंबर को सहारा हॉस्पिटल के द्वारा लगाए जाऐगा शिवर में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर लाभ उठाएं।

अंबेडकर भवन में गूंजे नमन के स्वर-बाबा साहेब को समर्पित श्रद्धांजलि समारोह

हल्केवीर सूर्यवंशी संभागीय संवाददाता, उदयपुरा। 6 दिसंबर को नगर स्थित अंबेडकर भवन में भारत संविधान के निर्माता, महान समाज सुधारक डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर का 69वां महापरिनिर्वाण दिवस श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अंबेडकर जी की प्रतिमा पर पुष्प अर्पण से हुई। विभिन्न सामाजिक संगठनों, युवाओं,

विद्यार्थियों और वरिष्ठ नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर बाबा साहेब को नमन किया। समारोह में वक्ताओं ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, समानता, शिक्षा, मानवाधिकार और सामाजिक न्याय के प्रति समर्पण का अद्वितीय उदाहरण है। उन्होंने संविधान निर्माण के माध्यम से देश को एक मजबूत लोकतांत्रिक दिशा दी। इस पूरे कार्यक्रम में उपस्थित नगर के वरिष्ठ समाजसेवियों में उमेश धाकड़, प्रभाकर मेहरा, एम एल चौधरी, बलराम नरवरिया, कमलेश ठेकेदार, घनश्याम ठेकेदार, बालकिशन नरवरिया, कठोरी लाल नरवरिया, रमन रमन, चेतराम कटियार, अभिषेक बामने, युवा समाजसेवी में हल्केवीर सूर्यवंशी, नीलेश परिहार, अरविंद हटोइया, हेमंत, इंद्रपाल, अरविंद, दीना, संदीप, राघवेंद्र नरवरिया, विनोद, राजेंद्र, दीपक त्रिपालिया, विक्रम नरवरिया, जितेंद्र वाल्मीकि उपस्थित रहे।

20 साल से अपनी जमीन वापिस लेने भटक रहा दरैया का 75 वर्षीय बुजुर्ग

पटवारी को हटाने को लेकर एसडीएम से की शिकायत

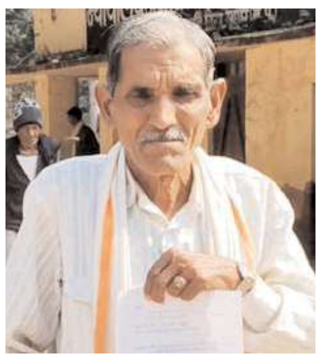

खुरई। दरैया गांव निवासी 75 वर्षीय बुजुर्ग कुंजन सिंह राजपूत ने गांव के पटवारी को हटाने की मांग को लेकर एसडीएम को शिकायत की है। पीड़ित बुजुर्ग ने बताया कि पटवारी ने उसके हिस्से की 55 डेसीमल जमीन दूसरे के नाम से कर दी। उसे सूचना तक नहीं मिली। मामला 20 साल पुराना बताया जा रहा है। उस समय सीमांकन करते समय पटवारी ने उसके हिस्से की जमीन सीमांकन करते समय दूसरे के पक्ष में नाप दी। तभी से वहा अपनी जमीन को पाने के लिये भटक रहा है लेकिन न्याय नहीं मिल रहा। जिसको लेकर उसने पटवारी को हटाने की मांग की है ताकि दूसरा पटवारी ठीक से सीमांकन कर सके।

शराब के लिये पैसे न देने पर भांजे ने पैरों से कुचलकर की मामा की हत्या

मां से भी की मारपीट,पुलिस पर लापरवाही का आरोप

खुरई। देहात थाना क्षेत्र के नागटोरिया पर रिश्तों को कलंकित करने का मामला सामने आया है। जिसमें एक बेटे ने शराब के लिए पैसे न देने पर अपनी मां ओर मामा के साथ मारपीट कर दी। जिससे मामा की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस पर लगे भारी लापरवाही के आरोप।

पैरों से कुचलकर की हत्या

मृतक की बहन अर्थात आरोपी की मां मीरा पति हरप्रसाद अहिरवार ने बताया कि वह अपने 75 वर्षीय भाई मृतक रम्मू अहिरवार के साथ रहती है। उसका बेटा भी पास में रहता है उसका बेटा नरेंद्र आए दिन शराब के लिए पैसे मांगता ओर मारपीट करता। बुधवार की दोपहर 2.30 बजे नरेंद्र आया और शराब के लिए पैसा मांगने लगा।

पैसे नहीं देने पर उसके साथ उसके साथ और अपने मामा रम्मू पिता फुल्ले अहिरवार उम्र 75 वर्ष से मारपीट की। मामा के सीने ओर गले में लाते मारी। पैर से गला दबाकर मामा की हत्या कर दी। कुछ देर बाद जब आसपास के लोगों को

बताया ओर थाने में सूचना दी।

सड़क पर मां से बेरहमी से की मारपीट

आरोपी की मां ने बताया कि पैसे नहीं देने पर उसके बेटे नरेंन्द्र ने घर में मारपीट की तो बचने के लिये वह सड़क पर भागी। नरेन्द्र ने अपनी मां को बाल पकड़कर सड़क पर घसीटा और मारपीट की। वहां से निकल रहे लोगों ने बड़ी मुश्किल से उसकी मां को नरेन्द्र से बचाया। इसके बाद वह थाने में रिपोर्ट करने गई। तो पुलिस ने कहा कि ये परिवार को मामला है। अस्पताल जाकर इलाज कराओ। जब वह थाने गई थी इसी बीच पैसे नहीं मिलने से गुस्साये नरेन्द्र ने अपने बीमार मामा रम्मू को पीटना चालू कर दिया। बचाने आये कुछ लोगों ने देखा कि नरेन्द्र अपने मामा की गर्दन पर पैर रखकर बुरी तरह से कुचल रहा था।

पुलिस की लापरवाही से हुई हत्या

मृतक की बहिन मीरा ने देहात थाने पर आरोप लगाया कि घटना बुधवार की दोपहर 2.30 बजे हुई थी। उसी समय पुलिस को सूचना दी थी। लेकिन कोई कार्यवाई नहीं। बताया कि यदि पुलिस देर ने करके समय पर उसके साथ आ जाती तो उसके भाई की हत्या नहीं हो पाती। उसी समय उसका आरोपी बेटा उसके भाई के साथ मारपीट कर रहा था। शव दिन भर और रात भर घर में ही पड़ा रहा। जब अन्य परिजन बाहर से लौटे तो पुलिस में शिकायत की। गुरुवार की सुबह देहात थाना पुलिस घटना स्थल पर पहुंची ओर जांच में जुट गई। अन्य परिजनों ने बताया कि नरेंद्र आये दिन किसी न किसी बात को लेकर सभी को धमकियां देता रहता था।

इनका कहना है

नागटोरिया के रम्मू अहिरवार की मौत हुई है परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। मर्ग कायम कर लिया है पोस्टमार्टम की रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्यवाई की जायेगी। अभी आरोपी भी फरार है।

संतोष सिंह दांगी
देहात थाना प्रभारी

मानव अधिकार आयोग ने सीएमओ द्वारा पटेल वार्ड के साथ जातिगत भेदभाव कर विकास कार्यों को रोकने पर मामला लिया संज्ञान

मामले की गंभीरता को लेकर कलेक्टर से 15 दिवस में मांगी गई जांच रिपोर्ट

सागर देवरी। देवरी नगरपालिका के वार्ड नंबर 14 पटेल वार्ड विगत दो वर्षो से विकास कार्यों ओर शासन की मूलभूत सुविधाओं से वचित होता आ रहा है जिसका मुख्य कारण पार्षद द्वारा नगर पालिका के सीएमओ बताए गए हैं। नगरपालिका देवरी का पटेल वार्ड जो की दलित वर्ग वार्ड है जिसके साथ लगातार दो वर्षो से जातिगत भेदभाव किया गया है और वार्ड के सभी कार्य रोकने का काम सीएमओ द्वारा किया जा रहा है।

इस भेदभाव को लेकर कांग्रेस पार्षद त्रिवेन्द्र जाट द्वारा एसडीएम से लेकर कलेक्टर कमिश्नर एवं मुख्यमंत्री तक कई बार शिकायत पत्र लिखे गए। उसके बाद भी सीएमओ पर न कोई कार्रवाई हुई न ही वार्ड विकास कार्यों की स्थिति सुधरी। जिसके बाद पार्षद ने मानव अधिकार आयोग दिल्ली में लिखित शिकायत भेजी। जिस पर मानव अधिकार आयोग ने मामले को तुरंत संज्ञान लेकर शिकायत की एक कापी सागर कलेक्टर को भेजी।

जिसमें निर्देश दिया गया की 15 दिवस के अंदर पूरे मामले की जांच कर उचित कार्रवाई करके अवगत कराये। साथ ही यह भी कहा गया कि जनप्रतिनिधि द्वारा लगातार शिकायत करने के बाद भी किसी अधिकारी द्वारा ध्यान नहीं दिया गया जो मानव अधिकारो का सीधा उल्लंघन है शीघ्र भी उचित कार्यवाही कर पटेल वार्ड के संबंधित विकास कार्यों पर ध्यान दिया जाए।

वहीं कांग्रेस पार्षद त्रिवेंद्र जाट ने बताया कि मेरे द्वारा वार्ड की विभिन्न समस्याओं को लेकर देवरी से लेकर भोपाल स्तर के सभी अधिकारियों को लिखित शिकायत देने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर मेने मानव अधिकार आयोग दिल्ली में शिकायत दर्ज की थी। जिसको आयोग द्वारा संज्ञान में लिया गया है अब आगे देखते हैं क्या कार्रवाई होती है। वर्तमान में नगर पालिका के मुख्य अधिकारी केवीएस बघेल द्वारा भी लगातार जातिगत भेदभाव कर वार्ड के सभी विकास कार्य रोक दिए गए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्ग -44 पर दुर्घटनाओं के संबंध में विधायक भूपेन्द्र सिंह ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को लिखा पत्र

खुरई। पूर्व गृहमंत्री, खुरई विधायक भूपेन्द्र सिंह ने केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिख कर स्वर्णिम चतुर्भुज फोर लेन क्रमांक 44 पर अधूरे निर्माण कार्य से दुर्घटनाओं के बढ़ते जोखिम के संबंध में पत्र लिख कर शीघ्रता से आवश्यक सुरक्षा उपायों हेतु निर्देश देने का आग्रह किया है। उल्लेखनीय है कि गत दिवस इस मार्ग पर बांदरी के निकट भीषण सड़क दुर्घटना में बम डिस्पोजल स्क्वाड के चार पुलिसकर्मियों की दुखद मृत्यु हो गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार दुर्घटना का मुख्य कारण अधूरा सड़क निर्माण, संकरे एवं असुरक्षित डायवर्जन तथा रात्रिकालीन सुरक्षा संकेतों का अभाव पाया गया है। उल्लेखनीय है कि पिछले एक माह में इस मार्ग पर लगभग 17 लोगों की मृत्यु हो चुकी है, जो स्थिति की गंभीरता को और अधिक स्पष्ट करती है। राष्ट्रीय राजमार्ग–44 पर इस प्रकार की जोखिमपूर्ण स्थिति लगातार जन–जीवन के लिए गंभीर खतरा बनी हुई है। पत्र के माध्यम से श्री गडकरी से आग्रह किया है कि अधूरे मार्गों पर तत्काल सुरक्षित एवं मानक अनुरूप डायवर्जन, चेतावनी संकेत, प्रकाश व्यवस्था तथा बैरिकेटिंग सुनिश्चित कराने, और संबंधित निर्माण एजेंसी/ठेकेदार की लापरवाही की जाँच कर आवश्यक दायित्व निर्धारण और सुधारात्मक कार्रवाई करने की कृपा करें।

बण्डा सिंचाई परियोजानान्तर्गत ग्राम बहरोल तहसील बण्डा प्रभावित कुटुम्बों के लिये आवासीय भू-खण्ड आबंटन

सागर। अनुविभागीय अधिकारी बण्डा ने सर्वसाधारण निवासी ग्राम बहरोल तहसील बण्डा को सूचित किया है कि बण्डा सिंचाई परियोजानान्तर्गत भू–अर्जन पुर्नवासन और पुर्नवयवस्थापन में उचित प्रतिकर एवं पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम 2013 स्वीकृत नीति अनुरूप प्रभावित कुटुम्बों के लिये ग्राम पनारी तहसील बण्डा जिला सागर में विस्थापन हेतु आवासीय भू–खण्ड आबंटन की कार्यवाही दिनांक 12/12/2025 को समयः प्रातः 10 बजे स्थान तहसील कार्यालय बण्डा में की जाना है। तहसील कार्यालय बण्डा में आवासीय भू–खण्ड का आबंटन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया जावेगा तथा आबंटित अवासीय भू–खण्ड का पट्टा प्रदान किया जाकर आबंटित आवासीय भू–खण्ड का कब्जा भी सौंपा जावेगा। अतः ग्राम बहरोल तहसील बण्डा के समस्त प्रभावित कुटुम्ब जिन्हें भू अर्जन प्रकरण में पुनर्वास अनुदान स्वीकृत किया गया है वह नियत दिनांक 12/12/2025 को समयः प्रातः 10रू00 बजे तहसील कार्यालय बण्डा में आवश्यक दस्तावेजः 01– धारा 37(2) का नोटिस (मुआवजा राशि का नोटिस), 02– पासपोर्ट साई फोटो 02 नग एवं (3) आधार कार्ड सहित उपस्थित हों।

शाहगढ़ के मेडिकल स्टोर में लगी आग, दवाइयों और अन्य सामग्री खाक

सागर। शाहगढ़ की एक मेडिकल स्टोर पर बुधवार की सुबह आग लग गई। भीषण आग के कारण दुकान में रखी लाखों की दवाइयां और अन्य सामग्री खाक हो गई। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची। दुकानदारों की भीड़ भी जमा हो गई। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया लेकिन तब तक नुकसान हो चुका था। दरअसल, सुबह करीब 5 बजे शंकरगढ़ तिराहा के पास स्थित सर्वोदय मेडिकल अचानक धुआं निकल रहा था। सुबह-सुबह टहलने गए लोगों ने इसकी सूचना डायल–112 को दी। कुछ ही देर में शाहगढ़ थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और उन्होंने फायर ब्रिगेड को बुलाया। दो फायर ब्रिगेड ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक पूरी मेडिकल दुकान जलकर खाक हो गई थी। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

सागर-दमोह फोरलेन सड़क एचएएम मोड पर बनेगी, दो की जगह एक घंटे में तय होगा सफर

76 किमी लंबे मार्ग पर 13 अंडरपास बनेंगे बायपास बनेंगे

सागर। सफर को आसान, तेज और दुर्घटना मुक्त बनाने के लिए शासन लगातार सड़कों पर काम कर रहा है। इसी के तहत एक और सौगात सागर–दमोह फोरलेन की स्वीकृति के रूप में दी गई है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद जल्द ही इसका निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। दो हजार करोड़ से अधिक की लागत से बनने वाली इस फोरलेन में चार बायपास भी तैयार किए जाएंगे, ताकि दो से ढाई घंटे के सफर को एक घंटे में तय किया जा सके। जानकारी के अनुसार स्टेट लेवल इम्पॉवर्ड कमेटी (एसएलइसी) की 44 वीं मीटिंग में इस मार्ग के एजेंडे को शामिल किया गया था। कैबिनेट की मंजूरी से अब यह कार्य एप्रूव्ड हो गया है। इस तरह अब एसएच 63 को टू लेन से फोरलेन किया जाएगा। साथ ही पेव्ड शोल्डर्स का काम भी होगा। बताया गया है कि सागर के बहेरिया से दमोह के मारूताल बायपास तक इसे बनाया जाएगा, जिसकी दूरी करीब 76 किमी होगी। पूर्व लोक निर्माण मंत्री गोपाल भार्गव ने इस घोषणा पर प्रसन्नता व्यक्त की है और इसको क्षेत्र के लिए एतिहासिक बताया है। कैबिनेट में पास हुए प्रस्ताव में बताया गया कि प्रस्तावित सड़क सागर में 13 अंडरपास बनेंगे। परसोरिया, गढ़ाकोटा, चनौआ और बांसा जैसे कस्बों में बायपास का निर्माण होगा। एक आरओबी, 3 बड़े पुल, 9 मध्यम पुल और 42 मध्यम जंक्शन का निर्माण किया जाएगा।

मानवाधिकार दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

सागर। फैमिली प्लैनिंग एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया अभिनय तोष महिला बाल विकास समिति नवांकुर संस्था सागर द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय पामाखेड़ी में मानवाधिकार दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में उच्च न्यायालय की अधिवक्ता, पूर्व शासकीय अधिवक्ता श्रीमती वर्षा ठाकुर ने अपने उद्बोधन में मानव अधिकारों के बारे में बताया तथा द्वितीय विश्व युद्ध के बाद मानव अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा करने का कारण और मानव अधिकार एवं मौलिक अधिकारों में अंतर को बतलाते हुए संविधान में सम्मिलित विभिन्न मानव अधिकारों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने समाज एवम् परिवारों में होने वाली हिंसा के बारे में चर्चा करते हुए किस प्रकार से शासकीय अधिवक्ताओं की नि:शुल्क सेवाएं उपलब्ध हो सकती है उसके बारे में बताया। वन स्टॉप सेंटर की परामर्शदात्री श्रीमती सपना राजपूत ने अपने उद्बोधन में शासन द्वारा महिलाओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही योजनाओं के बारे में जानकारी देते हुए महिला बाल विकास द्वारा संचालित आश्रयगृह, विषम परिस्थितियों जैसे पारिवारिक झगड़ों, अपराध हिंसा, मानसिक तनाव, सामाजिक बहिष्कृत महिलाओं और लड़कियों तथा वेश्यावृत्ति में संलिप्त जोख्मि वाली महिलाओं एवं लड़कियों की आवश्यक जरूरतों को पूरा करती है।

नन्हे ग्रैंडमास्टर का सम्मान कर बोले आकाश सिंह राजपूत

सागर का सुनहरा भविष्य है सर्वज्ञ

3 वर्ष 7 माह की आयु में FIDE Rating 1572 हासिल कर रचा इतिहास

सागर। सागर जिले के नन्हे शतरंज प्रतिभा सर्वज्ञ ने मात्र 3 वर्ष 7 माह की कम उम्र में FIDE Rating 1572 अर्जित कर अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत और सागर का नाम रोशन किया है। यह उपलब्धि वह मुकाम है, जिसे पाना अनुभवी खिलाड़ियों के लिए भी किसी चुनौती से कम नहीं।

गुरुवार को युवा नेता आकाश सिंह राजपूत ने अपने निज निवास मातेश्वरी कार्यालय में नन्हे शतरंज खिलाड़ी सर्वज्ञ व उनके परिजनों का सम्मान किया। इस दौरान आकाश सिंह राजपूत ने सर्वज्ञ के साथ शतरंज की बिसात सजाई और दो मैत्री मैच खेले। खेल के बीच मात्र 5 चालों में चेकमेट कर दर्शकों को रोमांचित कर दिया। कार्यालय में मौजूद साथियों के बीच हुए इस सौहार्दपूर्ण मुकाबले में सर्वज्ञ की अद्भुत प्रतिभा सभी को प्रभावित कर गई। आकाश ने सर्वज्ञ के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ देते हुए कहा कि ऐसी नन्ही प्रतिभाएँ ही क्षेत्र का नाम रोशन करती हैं। इस अवसर पर आकाश सिंह राजपूत ने कहा सर्वज्ञ की यह उपलब्धि सागर जिले के लिए गर्व का विषय है। इतनी कम उम्र में इतना बड़ा मुकाम हासिल करना असाधारण प्रतिभा का प्रमाण है। हम सभी को सर्वज्ञ पर गर्व है और हम उससे और भी ऊँचाइयाँ छूने की अपेक्षा करते हैं।

उन्होंने आगे कहा कि सर्वज्ञ आने वाले समय में न केवल सागर, बल्कि पूरे भारत का नाम अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नई ऊँचाइयों पर ले जाएगा। सर्वज्ञ की इस सफलता से जिले भर में उत्साह का माहौल है। खेल प्रेमियों और शुभचिंतकों ने नन्हे खिलाड़ी को उज्ज्वल भविष्य के लिए ढेरों शुभकामनाएँ दी हैं।

इस अवसर पर रितेश ठाकुर शुभम घोषी गौरव गर्ग, रानू राजपूत, गौरव गर्ग, नितेश अहिरवार, महेंद्रअहिरवार, हेमंत पटेल, सुनील चैधरी, जितेंद्र पटेल, रामकृश ठाकुर, पवन, भगवान दास, बृजेंद्र, विश्वजीत, संजू, आदि उपस्थित रहे।

लोक सेवा केंद्र का आधार केंद्र 3 सालों से बंद

परेशान लोगों की शिकायत, जिला अधिकारियों पर मिली भगत का आरोप

खुरई। खुरई के लोक सेवा केंद्र के अंतर्गत आने वाला आधार केंद्र पिछले 3 सालों से बंद है जिससे लोगों को इस केंद्र का लाभ नहीं मिल पा रहा है। दरअसल इस आधार केंद्र पर आधार कार्ड बनवाना या अपडेट कराने सहित सेवाओं का शुल्क 50 से 150 के अंदर ही होता है। इस आधार केंद्र के नहीं होने से मजबूरी में लोगों को इससे ज्यादा और कई सेवाओं के तो 1000 रुपये तक देने पड़ रहे हैं। ग्रामीण इस केंद्र पर आते हैं और बंद मिलने पर निजी संचालकों से कार्य कराना पड़ता है जिसके लिये उन्हें सेवाओं के बदले ज्यादा राशि देनी पड़ती है। ग्रामीणों ने गुरुवार को कुछ लोगों ने एसडीएम के नाम का ज्ञापन तहसीलदार डॉ राकेष कुमार को सौंपा है। शिकायतकर्ता रुपेश दुबे निवासी गढ़ौला जागीर ने बताया कि यह आधार केंद्र पिछले 3 सालों से बंद है। केंद्र के जिला प्रभारी से पूछने पर बताया कि कुछ दिन पहले ही बंद हुआ है। एक सप्ताह में चालू होने की बात कही। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस आधार केंद्र की आईडी जिला प्रभारी की मिली भगत से निजी तौर पर दूसरी जगह से चलाई जा रही है और ज्यादा पैसे कमाकर बंदरबांट किया जा रहा है।

12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 5

शरारती तत्वों ने लगाई आग, दो दुकाने जलकर खाक

शहडोल। सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत भूसा तिराहे के पास शरारती तत्वों ने वहां स्थित दो दुकानों में आग लगा दी, जिससे दोनों दुकान जलकर राख हो गई। दुकान के अंदर रखा सारा सामान भी जल गया है। घटना में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है। सुबह जब दुकानदार अपनी दुकान खोलने पहुंचे तब जाकर उन्हें कहीं घटना की जानकारी मिल पाई, इसके बाद फायर टीम को मामले की सूचना दी गई,सूचना के बाद फायर टीम मौके पर पहुंची और आग को बुझाया गया है।दुकानदार कमलेश यादव ने बताया की ठेलानुमा दुकान में वह सब्जी की दुकान संचालित करता है।बुधवार रात रोज की तरह उसने लगभग 11:00 बजे दुकान बंद की और घर चला गया । गुरुवार सुबह लगभग 8 बजे जब वह दुकान पहुंचा तो उसमें आग लगी हुई थी। बगल में स्थित बेटू रजक की प्रेस (धोबी) की दुकान भी जल रही थी, जिसे देखने के बाद उसने आस पड़ोस के लोगों को बुलाया और मामले की जानकारी दमकल कर्मियों को दी। दमकल कर्मी मौके पर पहुंचे और दुकान में लगी आग को बुझाया गया,दमकल की दो गाड़ियां घटनास्थल पहुंची और दुकानों में लगी आग को बुझाया। बेटू रजक की प्रेस (धोबी) की दुकान में ग्राहकों के कई कीमती कपड़े प्रेस के लिए रखे थे, जो जल गए हैं। दुकानदार ने बताया कि दुकान के अंदर धुलाई एवं प्रेस के लिए लगभग 80 जोड़ा से अधिक कपड़े रखे थे, जो ग्राहकों के थे, वो सब कुछ जल गया है। इसी तरह कमलेश यादव की सब्जी की दुकान में हजारों रुपए का नुकसान हुआ है।घटना की शिकायत पुलिस से की गई है। थाना प्रभारी के अनुसार, गरीब दुकानदारों का नुकसान हुआ है। हमने आगजनी का मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है, आस-पास के सीसीटीव्ही फुटेज इत्यादि देखे जा रहे हैं।

भीषण ठंड पड़ने से नगर परिषद अध्यक्ष जयसिंहनगर ने जगह-जगह अलाव की व्यवस्था कराए

जिससे लोगों को कड़ाके की ठंड से मिल सके राहत

जयसिंहनगर। कड़ाके की ठंड एवं भीषण सर्दीको देखते हुए नगर परिषद अध्यक्ष सुशीला चक्रधारी शुक्ला ने नगर में जगह-जगह खास कर जैसे बस स्टैंड सिविल अस्पताल कैंपस तथा चौराहोंमें अलाव की समुचित व्यवस्था नगर परिषद की ओर से कराया गया है। सुशीला शुक्ला ने कहां है कि ठंडसे प्रभावित लोगो के लिए यह अलाव की व्यवस्था कराई गई है। तथा नगर में यह कार्य अति आवश्यक रहा है। तथा नगर परिषद अध्यक्ष सुशीला शुक्ला ने आम नागरिक जनों से तथा राहगीरों से अपील करते हुए कहा कि ठंडी से बचें तथा सतर्कतापूर्ण रहें एवं लोगों को समझाइश देतेहुए बताईं की ठंड में गर्म कपड़े जरूर पहनें एवं ठंडी से बचाव करें एवं आवश्यक कार्य के अलावा बिना कार्य के देररात तक बाहर घूमने से बचें जिससे ठंड हवा से बचाव हो सके। मुसाफिरोंको खासकर आवागमन के लिए किसी प्रकारसे रातमें असुविधा होती है तो नगर परिषद जयसिंहनगर द्वारा बस स्टैंड के ठीक सामने यात्री प्रतीक्षालय है जो कि परिषदद्वारा साफसुथरा एवं स्वच्छ रखा जाता है। किसी कारण बस आवागमन के लिए वाहन अगर उपलब्ध न हो पाए तो यात्री प्रतीक्षालय में सीत से बचने के लिए ठहर जा सकता है वहां प्रकाशएवं पानी की समुचित व्यवस्था है नगर परिषद अध्यक्ष ने कहा की अगर इसी प्रकार की भीषणठंडी पड़रही तो नगर परिषद जयसिंहनगर द्वारा जगह-जगह आवश्यकताअनुसार अलाव की लंबे समय तक व्यवस्था कराई जाएगी।

भूतपूर्व सैनिक संगठन ने आरक्षक म पाठक को शहीद स्मारक में किया न

शहडोल। दिनांक 07 दिसंबर 20 को शहडोल नगर के न्यू बस स्टैंड शहडोल पुलिस के एक कर्तव्य परा आरक्षक महेश पाठक की ड्यूटी क हुए एक लापरवाह बस ड्राइवर गम्भीर लापरवाही से, वीभत्स रूप मृत्यु हो गई। देशभक्ति जनसेवा क हुए जान गवाने वाले शहीद आरक्ष महेश पाठक को,आज 卐शः स्मारक卐 शहडोल में, भूतपूर्व सैनि संगठन जिला शहडोल एवं कोतव पुलिस शहडोल द्वारा, संयुक्त रूप दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांज अर्पित करते हुए, उनके चित्र भावभीनी पुष्पांजलि समर्पित वि गया एवं मोमबत्ती जलाकर मृता की शांति की कामना की गई।

महर्षि विद्या मंदिर शहडोल में एकल नृत्य प्रतियोगिताओं का आयोजन

शहडोल । महर्षि विद्या मंदिर सीनियर सेकण्डरी स्कूल शहडोल में दिनांक 08,09 एवं 10 दिसम्बर 2025 को कक्षा 1 से कक्षा 5 के छात्रों के लिए एकल नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रतियोगिता के प्रारंभ में कार्यक्रम की मुख्य अतिथि विद्यालय की प्राचार्य डॉ. भावना तिवारी, एकेडमिक इंचार्ज कीर्ति गुप्ता, प्राथमिक एकेडमिक इंचार्ज प्रतिभा पाण्डेय, वरिष्ठ शिक्षिका मधु मिश्रा द्वारा दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम की शुरूआत की गयी तत्पश्चात् नन्हें कलाकारों द्वारा अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए एक से बढ़कर एक एकल नृत्य की प्रस्तुति दी गयी। एकल नृत्य प्रतियोगिता के लिए बच्चों को शीर्षक के रूप में-प्रकृति, आदिवासी, त्योहार, ऋतु, शास्त्रीय नृत्य, शान्ति, स्वच्छता, लोकनृत्य तथा देश प्रेम आदि दिये गये थे। बच्चों ने उन्हीं शीर्षकों को चुनकर एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियाॅ दीं। बच्चों द्वारा दी गयी प्रस्तुतियों को देखकर उपस्थित सदस्य मंत्रमुग्ध हो गए एवं कार्यक्रम की भूरि-भूरि प्रशंसा की। नृत्य प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में वरिष्ठ शिक्षिका कीर्ति गुप्ता, मधु मिश्रा, रेनुका सोनी, प्रतिमा रजक, सोनिया भारती एवं संज्ञा तिवारी रही।

सप्ताहभर में दूसरी बार ग्रामीण बस्ती में भालू की एंट्री

ग्रामीणों में भय का माहौल

शहडोल। जैतपुर वन परिक्षेत्र के रसमोहनी बस्ती में स्थित पवन किराना स्टोर पर सप्ताह के भीतर दूसरी बार भालू की आमद से गांव में दहशत फैल गई है। ताज़ा घटना का सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद ग्रामीणों में वन विभाग की कार्यशैली को लेकर नाराजगी और बढ़ गई है। जानकारी के अनुसार, पहली घटना 2 दिसंबर की रात हुई थी, जब भालू दुकान के बाहर रखी नमक की कई बोरियों को फाड़कर चला गया। सुबह जब दुकानदार ने नुकसान देखा और सीसीटीवी फुटेज चेक किया तो भालू की स्पष्ट तस्वीरें सामने आई। इस बारे में तुरंत वन विभाग को सूचित किया गया, लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि विभाग ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया। इसी लापरवाही के चलते बुधवार-गुरुवार की दरमियानी रात भालू फिर उसी दुकान के बाहर देखा गया और इस बार भी नमक की बोरियां फटी हुई मिलीं। लगातार दो घटनाओं से स्थानीय लोगों में खौफ का माहौल है। ग्रामीण रोहित गुप्ता और अन्य लोगों का कहना है कि बस्ती के बीच स्थित दुकान पर दो बार भालू का पहुंचना गंभीर विषय है, लेकिन बावजूद इसके वन विभाग की टीम ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने या भालू की गतिविधियों पर नजर रखने की कोई कोशिश नहीं की।उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले केशवाही वन परिक्षेत्र में एक महिला पर भालू ने हमला कर उसे जंगल में ले जाकर मार डाला था, जिसके बाद रेंजर अंकुर तिवारी ने ग्रामीणों को सतर्क रहने की हिदायत दी थी। इसके बावजूद जैतपुर वन रेंज की टीम इन घटनाओं को लेकर गंभीर नहीं दिख रही है, जिससे लोगों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि वन विभाग तुरंत क्षेत्र में निगरानी बढ़ाए, भालू को सुरक्षित रूप से पकड़ने की कार्रवाई करे और बस्ती में सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करे।

अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस प पीएसएसयू में जागरूकता कार्यक्रम

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय में 10 दिसंबर 2025 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर विधि एवं सामाजिक न्याय विभाग द्वारा विश्वविद्यालय सभागार में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राम शंकर मु अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जिला विधिक सहायता अधिकारी दे परस्ते ने मुख्य वक्ता की भूमिका निभाई। इसके साथ ही परिसर प्रभारी विभागाध्यक्ष प्रो. (डॉ.) गीता सराफ, राजनीति विज्ञान विभाग की विभागाध्यक्ष चेतना सिंह सहित विभिन्न विभागों के प्राध्यापक और बड़ी संख्या में विद्यार्थी शा हुए। कुलगुरु प्रो. राम शंकर ने अपने उद्बोधन में मानवाधिकारों की ऐतिहा पृष्ठभूमि से लेकर तकनीकी युग में उनकी प्रासंगिकता तक विस्तृत चर्चा उन्होंने आधुनिक तकनीक, विशेषकर ऐप्स और एल्गोरिद्म द्वारा निजता आत्मनिर्णय जैसे मौलिक अधिकारों पर पड़ने वाले प्रभावों को रेखांकित किया

भोपाल में स्वामी मुकुंदानंद का भव्य एवं प्रेरणादायी प्रवचन

भोपाल। शहर के रविंद्र भवन में आज का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा और सकारात्मक वातावरण से भर गया, जब देश-विश्व में प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु स्वामी मुकुंदानंद ने अपने प्रभावशाली प्रवचन से उपस्थित जनसमूह को आत्मिक रूप से प्रभावित कर दिया। हजारों की संख्या में लोग उनके विचार सुनने के लिए पहुंचे और पूरे समय ध्यानमग्न होकर प्रवचन का लाभ लेते रहे।

इस विशेष आयोजन की पहल शहर के प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता लायन राजेश सुखरामाणी द्वारा की गई, जिनकी आमंत्रण पर स्वामी मुकुंदानंद जी भोपाल पधारे। उनके इस प्रयास की सभा में मौजूद सभी लोगों ने सराहना की।

स्वामी मुकुंदानंद जी विश्व-प्रसिद्ध आध्यात्मिक गुरु, योगाचार्य एवं जगद्गुरु कृपालुजी योग (JKYog) के संस्थापक हैं। वे उत्तर भारत से संबंध रखते हैं तथा आईआईटी दिल्ली और आईआईएम कोलकाता जैसे देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षण संस्थानों से शिक्षा प्राप्त कर चुके हैं। उच्च स्तर की वैज्ञानिक और प्रबंधन शिक्षा होने के बावजूद उन्होंने आध्यात्मिक सेवा को जीवन का उद्देश्य बनाया और पिछले कई वर्षों से योग, ध्यान, भक्ति तथा जीवन-प्रबंधन के माध्यम से लोगों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। उनके प्रवचन में सरल भाषा, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और गहन आध्यात्मिकता का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

रविंद्र भवन में दिए गए प्रवचन में स्वामी जी ने कहा कि मनुष्य का मन ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति है। मन को सही दिशा देकर व्यक्ति अपने जीवन को उत्कृष्ट और सफल बना सकता है। उन्होंने बताया कि सच्ची खुशी बाहरी परिस्थितियों में नहीं, बल्कि अपने भीतर की शांति को पहचानने में है। स्वामी जी ने जीवन में अनुशासन, संयम, सकारात्मक सोच और भक्ति को अत्यंत आवश्यक बताया।

पूरे कार्यक्रम के दौरान वातावरण आध्यात्मिक उत्साह से भरा हुआ रहा। उपस्थित लोगों ने बड़ी श्रद्धा और एकाग्रता से स्वामी जी के वचनों को सुना और अंत में उनका आशीर्वाद ग्रहण किया।

गायों को गौशाला भिजवाने की मांग

विदिशा। एक सामाजिक कार्यकर्ता अपने गले में गौ माता के फोटो की तख्ती टांगकर कलेक्टोरेट पहुंचा और कलेक्टर के नाम आवेदन दिया गया। इस दौरान सामाजिक कार्यकर्ता मंगल सिंह गोड़ ने कहा कि सड़कों पर घूम रही गौ माता को गौशाला भिजवाने के लिए पहले भी आवेदन दिया था, लेकिन प्रशासन द्वारा अब तक कोई व्यवस्था नहीं की है।जिसके कारण से उन्हें दोबारा आवेदन देने के लिए कलेक्टोरेट आना पड़ा है।उन्होंने कहा सड़क पर बड़ी संख्या में गौ माता खड़ी रहती हैं और यातायात प्रभावित होता है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि सड़कों पर गौ माता के खड़े होने के कारण रात्रि में एक्सीडेंट या अन्य घटना घटित होने की संभावना बनी रहती है।उन्होंने कहा कि नगर के आसपास करीब 1000 से लेकर 1200 से अधिक गोवंश सड़कों पर खड़े रहते हैं।भूख लगने पर वह कचरे के ढेर में सड़ी गली वस्तुओं को खाकर अपना पेट भर रहे हैं। जिससे उन्हें कई प्रकार की बीमारियां हो रही हैं। उन्होंने कहा कि पहले भी आवेदन दिया गया था लेकिन प्रशासन द्वारा 85 दिन बीत जाने के बाद भी अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।उन्होंने कहा कि समस्त रोड एवं चौराहों और शहर की गलियों-मोहल्ले में रात दिन असुरक्षित रूप से गौ माता भूखे प्यासे बीमार अवस्था में खुलेआम घूम रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा झुंड के झुंड गोवंशों के खड़े रहते हैं जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है।उन्होंने कहा कि इन सभी गोवंशों को गौशालाओं में भेजा जाए।

यात्रियों को रही परेशानी को लेकर रेल सलाहकार समि के सदस्य ने माननीयों से हस्तक्षेप करने की मांग क

विदिशा। कमलेश सेन सदस्य रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति पश्चिम मध्य रेलवे ने बीना-भोपाल रेलखंड पर यात्रियों द्वारा पिछले कई माह से झेली जा रही गंभीर असुविधा और सुरक्षा संकट को लेकर केंद्रीय कृषि मंत्री एवं विदिशा सांसद शिवराज सिंह चौहान से शीघ्र हस्तक्षेप का आग्रह किया है।

उन्होंने कहा कि बीना-भोपाल रेलखंड जो भोपाल (मध्यप्रदेश की राजधानी) विदिशा, गंजबासोदा, कुरवाई, बीना एवं सांची क्षेत्र के विद्यार्थियों, कर्मचारियों, व्यवसायियों एवं दैनिक यात्रियों के लिए जीवन रेखा समान है पर हाल ही में मेमू एक्सप्रेस ट्रेनें (11605/11606 एवं 61631/61632) में कोचों की संख्या 12 से घटाकर केवल 8 कर दी गई है। इस कटौती के कारण यात्रियों को अत्यधिक भीड़, लंबी दूरी तक खड़े रहकर यात्रा, असुविधा और गंभीर सुरक्षा जोखिम का सामना करना पड़ रहा है।

सेन ने कहा कि यह समस्या केवल मेमू ट्रेनों तक सीमित नहीं है। बिलासपुर-भोपाल एक्सप्रेस में भी कोचों की कटौती की गई है और राज्यरानी एक्सप्रेस में वर्षों से कोच वृद्धि की मांग लंबित है। लगातार कोचों में कटौती और परिचालन बदलावों से यात्रियों का रेलवे प्रशासन पर भरोसा टूट रहा है और आमजन में असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि बीना-भोपाल रेलखंड पर वर्षों से विभिन्न प्रयोगों का क्षेत्र बनाया गया है। कभी व कटौती, कभी समय परिवर्तन और कभी अचा परिचालन बदलाव। इन प्रयोगों का सबसे अधिक ब उन आम यात्रियों पर पड़ता है जो प्रतिदिन नौकरी, प और आवश्यक दायित्वों के लिए इस रेलखंड पर नि हैं। सेन ने कहा सिर्फ आपके हस्तक्षेप से ही रे प्रशासन में सक्रियता आएगी और यात्रियों को सुरक्षि सुगम एवं सम्मानजनक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराई सकेगी। इससे न केवल यात्रियों की सुरक्षा सुनि होगी, बल्कि आम जनता में रेलवे प्रशासन के विश्वास भी बहाल होगा। इस गंभीर समस्या के समाध हेतु सेन ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों आलोक शर्मा सां भोपाल, लता वानखेड़े सांसद सागर, मुकेश ट विधायक विदिशा, प्रभुराम चौधरी विधायक सांची, सिंह रघुवंशी विधायक गंजबासोदा, हरि सिंह विधायक कुरवाई, निर्मला सप्रे विधायक बीना से भी की और उनसे इस विषय में त्वरित कार्रवाई हेतु हस्त का अनुरोध किया। सेन ने यह भी स्पष्ट किया कि वि जनवरी माह के कुंभ अवधि में आईसीएफ कोच जोड़ अस्थायी पैसेंजर ट्रेन चलाने से यात्रियों को अत्यधि राहत मिली थी। यह उदाहरण यह दर्शाता है संसाधनों के विवेकपूर्ण पुनर्विनियोजन से जनहित त्वरित समाधान संभव है।

आचार्य रजनीश ओशो का मनाया जन्म दिवस

विदिशा। गुरूवार को आचार्य रजनीश ओशो का 94वां जन्म दिवस विदिशा के ओशो प्रेमियों द्वारा प्रतिदिन चलने वाले अपने डायनामिक सक्रिय ध्यान शिविर सुनील जैन गंधर्व कृषि फार्म उदयगिरि रोड विदिशा में धूमधाम के साथ केक काटकर मनाया गया। राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अखिल भारतीय स्वर्णकार महासभा एवं मल्टीपल तथा डिस्ट्रिक्ट सह मल्टी मीडिया प्रभारी लायन अरुण कुमार सोनी ओशो प्रेमी ने बताया कि संबुद्ध पुरुष, महान योगी, आचार्य रजनीश जिन्हें की ओशो नाम से पुकारा जाता है। उनके जन्मदिवस पर सर्वप्रथम ओशो भजन में लोग मस्त हुए। सक्रिय ध्यान में ओशो प्रेमियों को अपने शरीर का भान ही ना रहा। इतनी सक्रियता से इतनी तन्मयता से इतनी ऊर्जा से इस ध्यान में लोग उतरे। इसके पश्चात ओशो के प्रवचन में लोगों ने ऐसी गहरी डुबकी लगाई की यदि सूई भी गिर जाए तो उसकी आवाज भी सुनाई दे।

पट्टे की भूमि पर कब्जा करने की शिकायत

विदिशा। लटेरी तहसील के सुखनेर निवासी एक परिवार अपनी समस्या लेकर कलेक्टोरेट पहुंचा और कलेक्टर के नाम आवेदन दिया गया।इस दौरान बताया कि कल्याण, खुमान, प्रकाश, भूरा पुत्र बलबंती अहिरवार पट्टे की भूमि पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।अब उस भूमि पर एक महिला द्वारा कब्जा किया जा रहा है।उन्होंने आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है। इस दौरान उन्होंने बताया कि बलबंती पुत्र पन्नालाल अहिरवार की ग्राम सुखनेर स्थित भूमि जिसका सर्वे क्रमांक 581/3 पर लगभग 70-80 वर्ष पूर्व से कब्जा है। जिसका वर्ष 1983-84 में शासन के द्वारा पट्टा भी प्रदाय किया गया है। तभी से प्रार्थीगणों के परिवार के लगभग 20-25 सदस्य उक्त भूमि पर निवासरत होकर काबिज हैं एवं उक्त भूमि पर प्रार्थीगणों का ट्यूबवेल, प्रधानमंत्री आवास, शासकीय शौचालय आदि बने हुये है। जहां निवासरत होकर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे है। उन्होंने कहा कि रबन बाई पत्नि सुरेश वशंकार अपनी 3 पुत्रियों एवं 2 पुत्रों के साथ प्रार्थीगणों की उक्त भूमि पर टपरा डालकर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि उक्त भूमि पर बीते 15-20 दिनों से टपरा डालकर निवासरत है एवं प्रार्थीगणों को उक्त भूमि पर कृषि कार्य नहीं करने दे रही है और उनके द्वारा आपत्ति दर्ज कराने पर विवाद की स्थिति निर्मित करते हुए जान से मारने की धमकी देते हुये झूठे प्रकरणों में फंसाने की धमकी दे रही है। यह कि उक्त महिला के ससुर चिरोंजी को शासन द्वारा पूर्व पट्टा प्रदान किया गया है जो कि उसके पति सुरेश वंशकार ने किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया है एवं स्वयं सुरेश वंशकार को दिये गये पट्टे जिसका भूमि सर्वे क्रमांक 581/4/1 में फसल बोई गई है तथा वर्तमान में प्रार्थीगणों के कब्जे की भूमि पर जबरन कब्जा किया जा रहा है। उन्होंने आवेदन देकर मांग की है कि उन्हें उनके पट्टा की भूमि पर कब्जा दिलाया जाए और कब्जा करने वाले विरोधी लोगों पर कार्रवाई की जाए।

अवैध ई-फार्मेसियों पर इंडिया टुडे क चौंकाने वाली जांच के बाद एआईओसीडी प्रधानमंत्री से तत्काल हस्तक्षेप की मांग क

विदिशा। ऑल इंडिया ऑर्गेनाइज़ेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी), जो देशभर में 12.40 लाख से अधिक वैध ब्रिक-एंड-मोर्टार फार्मेसियों का प्रतिनिधित्व करता है ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से जनहित में अवैध ई-फार्मेसियों को तुरंत बंद कराने और जीएसआर 817 तथा जीएसआर 220 को तत्काल वापस लेने की मांग को एक बार फिर अत्यंत गंभीरता से दोहराया है।

एआईओसीडी के अध्यक्ष जेएस शिंदे और महासचिव राजीव सिंघल ने चेतावनी दी है कि अवैध ई-फार्मेसियों और क्विक-कॉमर्स ऐप्स द्वारा बिना किसी वैध चिकित्सीय परीक्षण, बिना योग्य डॉक्टर और बिना लाइसेंस दवाओं विशेषकर एंटीबायोटिक्स की बिक्री राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए भयावह खतरा बन चुकी है।

इंडिया टुडे की जांच ने खोला बड़ा घोटाला

इंडिया टुडे की हालिया खोजी रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि कुछ क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म विशेषकर बिलिंकिट अज्ञात और नकली डॉक्टरों के माध्यम से बिना जांच के प्रिस्क्रिप्शन दवाएं सप्लाई कर रहे हैं। यह न केवल फार्मेसी एवं मेडिकल कानूनों का खुला उल्लंघन है बल्कि देशभर में एंटीबायोटिक रेज़िस्टेंस, गलत दवाइयों और फर्जी मेडिकल सलाह जैसे खतरों को कई गुना बढ़ा रहा है। ई फार्मेसी और क्विक कॉमर्स द्वारा अवैध गतिविधियां और निम्न कानूनों का गंभीर उल्लंघन है। ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, ड्रग्स एंड मैजिक रेमेडीज एक्ट, फार्मेसी एक्ट, टेलीमेडिसिन गाइड लाइंस, मेडिकल एथिक्स रेगुलेश एनएमसी कोड ऑफ कंडक्ट।

फिर भी कई प्लेटफॉर्म बिना लाइसं बिना योग्य फार्मासिस्ट और चिकित्सा रिकॉर्ड के संचालन जारी हुए हैं।

एआईओसीडी की प्रधानमं से तीन प्रमुख मांगें

1. भारत में संचालित सभी अवैध फार्मेसियों पर तत्काल रोक, जि क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्मों की अवैध बिक्री भी शामिल है, माननीय दिल्ली कोर्ट के 12.12.2018 के आदेश अनुरूप। 2. जीएसआर 817 जीएसआर 220 का तत्व निरस्तीकरण, क्योंकि ये अनियं डिजिटल दवा बिक्री को बढ़ावा देते 3. जनता, बच्चों, महिलाओं, बु और ग्रामीण नागरिकों को खतरन ऑनलाइन मेडिकल प्रथाओं से तत्व सुरक्षा।

एआईओसीडी का जनहित में स्पष्ट संदेश

एआईओसीडी का कहना है कि भ जैसे विशाल देश में दवाओं की बि केवल लाइसेंस प्राप्त और यो फार्मासिस्ट द्वारा ही होनी चाहि ऑनलाइन अवैध प्रथाएँ पूरे स्वा तंत्र को खोखला करने वाली हैं इसे किसी भी स्थिति में स्वीकार किया जा सकता। एआईओसीडी ने भी स्पष्ट किया कि संगठन सरकार साथ हर स्तर पर सहयोग करने लिए प्रतिबद्ध है, परंतु जनता की सु और देश की स्वास्थ्य प्रणाली पवित्रता और मरीजों के हितों को ब के लिए तत्काल कार्रवाई आवश्यक

सांसद खेल महोत्सव 25 अंतर्गत आयोजित हुई मंडल स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता

विदिशा। सांसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत आयोजित खेल गतिविधियों में गुरूवार को एसएटीआई कॉलेज विदिशा में विधानसभा के अंतर्गत 5 ग्रामीण मंडलों में से दुर्गा नगर एवं ढोलखेड़ी मंडल की क्रिकेट की टीमों की प्रतियोगिता आयोजित हुई। जिसमें मंडल के खिलाड़ियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का दम दिखाया। प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर विधायक मुकेश टंडन ने उपस्थित खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया एवं क्रिकेट खेलकर मैच का शुभारंभ किया एवं उपस्थित खिलाड़ियों से खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए जीवन में खेलों का महत्व बताया। इस श्याम सुंदर शर्मा, छत्रपाल शर्मा, मंडल अध्यक्ष प्रशांत खत्री, दिनेश कुशवाहा, सुरेंद्र चौहान, अंकित दुबे, चंद्रपाल दांगी आदि उपस्थित रहे।

जिला खेल अधिकारी प्रदीप सिंह रावत ने बताया कि संसद खेल महोत्सव 2025 के अंतर्गत एसएटीआई कॉलेज के क्रिकेट मैदान पर मंडल स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता में ढोलखेड़ी मंडल एवं दुर्गा नगर मंडल की पुरुष वर्ग की आठ टीमों ने भाग लिया, जिनमें मध्य मैच हुए। जिसमें से पुलिस लाइन एवं बंटी नगर के बीच में पहला मैच हुआ जिसमें पुलिस लाइन विजेता रही। दूसरा मैच छीरखेड़ा और गुरारिया के बीच खेला गया जिसमें छीरखेड़ा विजेता रही। तीसरा मैच जाफरखेड़ी और इमलिया के बीच खेला गया जिसमें जाफरखेड़ी विजयी रही एवं चौथा मैच छीरखेड़ा और जाफरखेड़ी के बीच खेला गया जिसमें जाफरखेड़ी विजेता रही। आयोजन में प्रशिक्षक ज्योति ठाकुर, वीएस बुंदेला, सपना शर्मा, लक्ष्मी नारायण कुशवाहा, आकांक्षा शर्मा, प्रियंका दुबे, पंकज भार्गव, अजय चौहान, योगेश धुर्वे, धीरेंद्र मिश्रा, राकेश शर्मा आदि उपस्थित रहे। मैच में अंपायर लइकउल्ला सिद्धीकी, अरविंद सिंह राजपूत, रविकांत नामदेव, मानव श्रीवास्तव रहे, कमेंटेटर नीरज माहेश्वरी रहे।

पट्टे की भूमि पर कब्जा करने की शिकायत

विदिशा। लटेरी तहसील के सुखनेर निवासी एक परिवार अपनी समस्या लेकर कलेक्टोरेट पहुंचा और कलेक्टर के नाम आवेदन दिया गया। इस दौरान बताया कि कल्याण, खुमान, प्रकाश, भूरा पुत्र बलबंती अहिरवार पट्टे की भूमि पर रहकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं।अब उस भूमि पर एक महिला द्वारा कब्जा किया जा रहा है।उन्होंने आवेदन देकर कार्रवाई करने की मांग की है।इस दौरान उन्होंने बताया कि बलबंती पुत्र पन्नालाल अहिरवार की ग्राम सुखनेर स्थित भूमि जिसका सर्वे क्रमांक 581/3 पर लगभग 70-80 वर्ष पूर्व से कब्जा है। जिसका वर्ष 1983-84 में शासन के द्वारा पट्टा भी प्रदाय किया गया है। तभी से प्रार्थीगणों के परिवार के लगभग 20-25 सदस्य उक्त भूमि पर निवासरत होकर काबिज हैं एवं उक्त भूमि पर प्रार्थीगणों का ट्यूबवेल, प्रधानमंत्री आवास, शासकीय शौचालय आदि बने हुये है। जहां निवासरत होकर अपना व अपने परिवार का भरण पोषण करते आ रहे है। उन्होंने कहा कि रबन बाई पत्नि सुरेश वशंकार अपनी 3 पुत्रियों एवं 2 पुत्रों के साथ प्रार्थीगणों की उक्त भूमि पर टपरा डालकर कब्जा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि उक्त भूमि पर बीते 15-20 दिनों से टपरा डालकर निवासरत है एवं प्रार्थीगणों को उक्त भूमि पर कृषि कार्य नहीं करने दे रही है और उनके द्वारा आपत्ति दर्ज कराने पर विवाद की स्थिति निर्मित

ऋतिक रोशन ने फिल्म धुरंधर की तारीफ की

एक्टर ऋतिक रोशन ने रणवीर सिंह और अक्षय खन्ना की फिल्म धुरंधर की तारीफ की है। ऋतिक ने कहा कि उन्हें फिल्म की कहानी बहुत पसंद आई, भले ही वे इसके राजनीतिक विचारों से सहमत नहीं हैं। ऋतिक ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक नोट लिखकर धुरंधर देखने के बाद अपने विचार शेयर किए। उन्होंने लिखा, "मुझे सिनेमा पसंद है, मुझे वे लोग पसंद हैं जो कहानी में पूरी तरह डूब जाते हैं और उसे खुद पर हावी होने देते हैं। धुरंधर इसका एक शानदार उदाहरण है। मुझे इसकी कहानी कहने का तरीका बहुत पसंद आया। यही तो सिनेमा है। एक्टर ने आगे लिखा, "मैं इसके राजनीति वाले हिस्से से सहमत नहीं हूं और इस बात पर बहस कर सकता हूं कि एक फिल्ममेकर के तौर पर हमारी क्या जिम्मेदारियां हैं, लेकिन फिर भी, एक सिनेमा के छात्र के रूप में मैंने इससे बहुत कुछ सीखा और इसे पसंद किया। कमाल की फिल्म है। एक्टर अक्षय कुमार ने फिल्म धुरंधर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने X पर लिखा, "धुरंधर देखी और मैं हैरान रह गया। क्या जबरदस्त कहानी है और आदित्य धर, आपने गजब काम किया है। हमें ऐसी कहानियां चाहिए जो असर छोड़ें, और अच्छा लगा कि दर्शक इस फिल्म को इतना प्यार दे रहे हैं।

फिल्ममेकर सिद्धार्थ आनंद ने भी फिल्म धुरंधर की तारीफ की थी। वहीं डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने इसे धमाकेदार फिल्म कहा और खास तौर पर अक्षय खन्ना की परफॉर्मेंस को मास्टरक्लास बताया, साथ ही रणवीर सिंह की दमदार अदाकारी की तारीफ की। आदित्य धर निर्देशित फिल्म धुरंधर बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही है। 5 दिसंबर को रिलीज हुई इस फिल्म ने छठे दिन 26.50 करोड़ रुपए की कमाई की, जिसके बाद इंडियन बॉक्स ऑफिस पर इसकी कुल कमाई 180 करोड़ रुपए हो गई है। इसके अलावा धुरंधर के दुनियाभर की कमाई के बारे में बात करें तो फिल्म ने पांच दिनों मे करीब 233.50 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था। वहीं अब ये फिल्म 250-260 करोड़ के आसपास कलेक्शन कर चुकी है।

लेकिन इसके राजनीतिक विचारों से सहमत नहीं हैं, अक्षय कुमार ने भी मूवी को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी

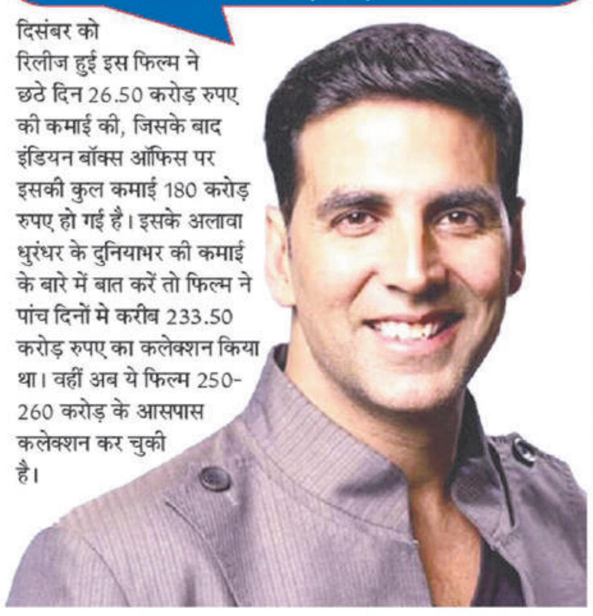

आलिया भट्ट से पूछा गया- क्या आप कभी पाकिस्तान आएंगी?

रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के 5वें एडिशन में एक्ट्रेस आलिया भट्ट को बुधवार को गोल्डन ग्लोब होराइजन अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। आलिया दूसरी बार इस फेस्टिवल में पहुंची थीं और फेस्टिवल के दौरान एक पाकिस्तानी फैन के सवाल का जो उन्होंने जवाब दिया, उसकी चर्चा हो रही है। एक रिपोर्ट के अनुसार, इवेंट में एक पाकिस्तानी फैन ने आलिया से सवाल पूछा कि क्या आप कभी पाकिस्तान आएंगी? तो आलिया ने कहा, "मैं वहां जाऊंगी, जहां मेरा काम मुझे ले जाए। वहीं जब उनसे पूछा गया कि क्या वे भारत का प्रतिनिधित्व करने के प्रेशर को महसूस करती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया कि यह प्रेशर नहीं बल्कि गर्व है, जो उनके नजरिए को दिशा देता है।

आलिया ने नेपोटिज्म पर भी दी प्रतिक्रिया

नेपोटिज्म के मुद्दे पर आलिया ने कहा, "अगर आप टेबल पर कुछ नया लेकर आते हैं, तो सब कुछ माफ है।

फेस्टिवल में आलिया ने बताया कि मां बनने के बाद उनकी जिंदगी और अनुभवों में नए रंग जुड़ गए हैं। उन्होंने कहा, "अब उनकी बेटी राहा इतनी बड़ी हो गई है कि मुझसे पूछती है, मम्मा, आप कहां जा रही हैं और कब लौटेंगी। आलिया ने बताया कि राहा की अब पैपराजी से भी अपनी एक अलग पहचान बन गई है।

आलिया ने बातचीत में कहा कि उनके करियर में ऑथेंटिसिटी (सच्चाई) सबसे अहम भूमिका निभाती है। यही चीज मुझे और ऑडियंस को कनेक्ट रखती है। उन्होंने कहा कि दर्शकों तक सबसे ज्यादा असर सच्ची भावनाओं का ही पहुंचता है, चाहे प्रतिक्रिया कैसी भी हो। उन्होंने यह भी बताया कि कान्स और मेट गाला जैसे बड़े इंटरनेशनल इवेंट्स में भाग लेने के बाद वे अक्सर पजामा पहनकर पिज्जा खाती हैं, ताकि ग्लैमर और रियल लाइफ के बीच बैलेंस बनाए रख सकें।

दिलीप कुमार की 103वीं बर्थ एनिवर्सरी

साल था 1922 का और जगह थी पेशावर। 11 दिसंबर की रात किस्सा ख्वानी बाजार की सोना बनाने वालों की गली में भयानक आग लगी थी। ठंडी, बर्फीली रात, तेज हवा और उससे भड़की आग, चारों तरफ अफरा-तफरी मच गई। इसी बीच पेशावर के एक घर में एक महिला की प्रसव पीड़ा बढ़ने लगी। घर के ज्यादातर मर्द आग बुझाने गए हुए थे। घर में महिला का देवर उमर था, इसलिए दाई लाने की जिम्मेदारी उसी पर थी। तेज हवा, कड़कड़ाती ठंड और आग की दहशत के बीच वह दाई को लेकर आया और उसी हंगामे के बीच एक स्वस्थ, गुलाबी, मजबूत बच्चे यूसुफ का जन्म हुआ, जो आगे चलकर हिंदी सिनेमा के सबसे बड़े सुपरस्टारों में से एक दिलीप कुमार के नाम से जाना गया। बॉलीवुड के ट्रैजडी किंग यानी दिलीप कुमार की आज 103वीं बर्थ एनिवर्सरी है।

किशोर उम्र में घर छोड़कर चले गए थे दिलीप कुमार

दिलीप कुमार की ऑटोबायोग्राफी द सब्सटेंस एंड द शैडो के अनुसार वो किशोरावस्था में एक बार घर छोड़कर पुणे (तब पूना) चले गए थे। उनके पिता लाला गुलाम सरवर एक फल व्यापारी थे। दिलीप कुमार के अपने पिता से रिश्ते कुछ तनावपूर्ण थे और एक बार किसी बात पर बहस के बाद उन्होंने गुस्से में घर छोड़ने का फैसला किया।

लगभग 18 साल के दिलीप कुमार ट्रेन से पुणे पहुंचे और वहां एक ब्रिटिश आर्मी कैंटीन में काम करना शुरू किया। उन्होंने सैंडविच बनाने और बेचने का काम किया। अपनी अच्छी अंग्रेजी के कारण वह जल्द ही कैंटीन के मैनेजर बन गए। उन्होंने अच्छी कमाई की और दो साल बाद, जब उन्होंने पैसे बचा लिए, तो वह वापस बंबई (मुंबई) लौट आए।

दिलीप कुमार जब पुणे के आर्मी क्लब में काम करते थे, तब क्लब में एक दिन ब्रिटिश शासन पर चर्चा छिड़ी। एक अफसर ने दिलीप कुमार से पूछा कि भारत ब्रिटिश शासन से आजादी की लड़ाई तो लड़ रहा है, लेकिन युद्ध में तटस्थ क्यों है। दिलीप कुमार ने ब्रिटिश संविधान की अपनी पढ़ाई के आधार पर एक स्पष्ट और दमदार जवाब दिया।

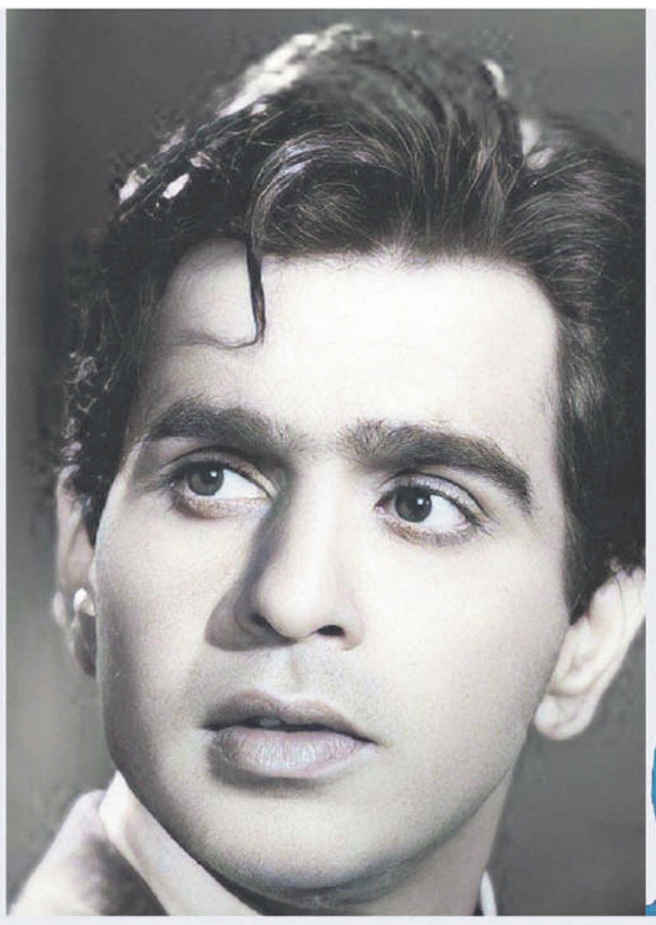

ऐश्वर्या संग तलाक पर पहली बार अभिषेक ने तोड़ी चुप्पी

ऐश्वर्या राय बच्चन और अभिषेक बच्चन की पर्सनल लाइफ बीते दिनों काफी सुर्खियों में रही। एक ही इवेंट में अलग-अलग पहुंचने से दोनों की तलाक की चर्चा शुरू हो गई थी। लेकिन दोनों ने ही इन खबरों पर अपनी चुप्पी बनाई रखी। अब अभिषेक बच्चन ने बीते दिनों चली इन अफवाहों पर अपना रिएक्शन दिया है। अभिषेक ने बेटी आराध्या को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि उनकी बेटी इन बातों से कैसे डील करती है। एक इंटरव्यू में अभिषेक से तलाक की रूमर्स पर सवाल किया गया। जवाब में एक्टर ने कहा- 'पहले वो हमारी शादी कब होगी यह जानना चाहते थे, अब वो तलाक की बात कर रहे हैं। मेरी वाइफ मेरी सच्चाई जानती है और मैं उनकी सच्चाई जानता हूं। हम एक हैप्पी और हेल्दी फैमिली हैं। हमारे लिए बस यही मैटर करता है। इस इंडस्ट्री में पले-बढ़े होने और इसी इंडस्ट्री से वाइफ होने का यही एक फायदा है। मैं विनम्रता और सम्मान के साथ कहना चाहता हूं कि मीडिया अक्सर गलत खबरें चलाती है। मैं सबसे पहले खबर देने के दबाव को समझता हूं लेकिन आप एक इंसान के बारे में बात कर रहे हैं। अभिषेक ने आगे कहा- 'मैंने कभी कुछ गलत नहीं किया इसलिए मुझे इधर-उधर सफाई देने की कोई जरूरत नहीं लगती। इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। अगर मुझे लगता है कि कोई बात हद से ज्यादा बढ़ गई है, जैसे कि अगर आप मेरे परिवार के बारे में गलत बातें कर रहे हैं, तो मैं आपको सुधारुंगा। बस यहीं पर बात खत्म। इंटरव्यू, जब अभिषेक से पूछा गया कि क्या आराध्या को इन खबरों के बारे में पता है? इस पर एक्टर ने कहा- 'मुझे उम्मीद है ऐसा नहीं होगा। वह बहुत मैच्योर लड़की है। वह बहुत अच्छी है और उसकी मां ने बहुत अच्छा काम किया है। मुझे नहीं लगता कि उसे इस बात की जानकारी है। यह ऐसी बात नहीं है जिससे उसे मतलब हो। उसकी मां ने उसे सिखाया है कि वो जो कुछ भी पढ़े उस पर विश्वास न करे। जैसे मेरे पेरेंट्स मेरे साथ थे, वैसे ही हम भी परिवार के साथ पूरी तरह ईमानदार हैं। इसलिए, हम कभी ऐसी स्थिति में नहीं होते, जहां किसी को किसी पर सवाल उठाने की जरूरत पड़े। अभिषेक ने यह भी बताया कि आराध्या 14 साल की है और उसके पास फोन नहीं है। अगर उसके दोस्त उससे संपर्क करना चाहते हैं, तो उन्हें ऐश्वर्या के फोन पर कॉल करना पड़ता है। यह दोनों बहुत बहुत पहले ही तय कर लिया था। आराध्या के पास इंटरनेट की सुविधा है, लेकिन वो इसका इस्तेमाल अपने स्कूल होमवर्क और रिसर्च के लिए करना पसंद करती है।

धर्मेंद्र के लिए हेमा मालिनी की प्रेयर मीट

एक्ट्रेस और सांसद हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के लिए दिल्ली में एक प्रेयर मीट का आयोजन किया है। यह प्रेयर मीट जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में शाम 4 बजे शुरू हुई जो 6 बजे तक चलेगी। इससे पहले हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र के लिए अपने मुंबई स्थित घर में गीता पाठ कराया था। धर्मेंद्र का निधन 24 नवंबर को 89 साल की उम्र में हुआ था। इस प्रेयर मीट में हेमा मालिनी और धर्मेंद्र की बेटियां ईशा देओल, अहाना देओल और दामाद वैभव वोहरा मौजूद हैं। ईशा देओल के पूर्व पति और बिजनेसमैन भारत तख्तानी भी इस कार्यक्रम में पहुंचे। साथ ही गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और अश्विनी वैष्णव समेत कई नेता भी शामिल हुए। प्रेयर मीट में हेमा मालिनी, ईशा और अहाना ने मेहमानों का स्वागत किया। कार्यक्रम स्थल पर धर्मेंद्र की हेमा और बेटियों के साथ तस्वीरें सजाई गईं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, निर्मला सीतारमण, भूपेंद्र यादव, जितेंद्र सिंह, प्रह्लाद जोशी, हर्ष मल्होत्रा और सांसद बांसुरी स्वराज सहित कई नेता श्रद्धांजलि देने पहुंचे। जितेंद्र सिंह ने धर्मेंद्र से अपने पुराने संबंध याद किए, जबकि प्रह्लाद जोशी ने कहा कि शोले उनकी पसंदीदा फिल्म रहेगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता गुरुवार को अभिनेता धर्मेंद्र की स्मृति में आयोजित प्रेयर मीट में शामिल हुईं। उन्होंने कहा, "धर्मेंद्र जैसे इंसान और कलाकार बहुत कम होते हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी और सादगी से दुनिया भर में करोड़ों प्रशंसक बनाए। उनकी मुस्कान और गर्मजोशी हर दिल को छू जाती थी। उनका जाना हम सबके लिए दुखद है, लेकिन उनकी सिनेमाई विरासत हमेशा जिंदा रहेगी।" इस मौके पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और कई मंत्री भी मौजूद रहे। वहीं, ईशा देओल के पूर्व पति भारत तख्तानी और अहाना देओल के पति वैभव वोहरा भी परिवार के साथ पहुंचे। इससे पहले धर्मेंद्र के बेटे सनी देओल ने 27 नवंबर को मुंबई के बांद्रा स्थित ताज लैंड्स एंड होटल में उनकी याद में एक प्रेयर मीट आयोजित की, जिसे 'सेलिब्रेशन ऑफ लाइफ' नाम दिया गया। शाम 5 बजे से 7:30 तक चलने वाली इस प्रेयर मीट में एक्टर के परिवार, दोस्त और बॉलीवुड के कई सेलेब्स मौजूद रहे। कार्यक्रम के मद्देनजर होटल ताज लैंड्स एंड में सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। सनी देओल, बॉबी देओल अपने चचेरे भाई अभय देओल के साथ ताज लैंड्स एंड में गेस्ट को रिसीव करते नजर आए थे।

बॉलीवुड में मुझसे मौके छीने गए: प्रियंका चोपड़ा

ब्रिज समिट में बोलीं- शुरुआत में ना कहने का प्रिविलेज नहीं था, अब मेरे पास चुनने का अधिकार है

प्रियंका चोपड़ा बॉलीवुड और हॉलीवुड दोनों ही जगह अपनी पहचान बना चुकी हैं। एक्टिंग के अलावा वो हर मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रखने के लिए भी जानी जाती हैं। हाल ही में वो अबू धाबी में आयोजित ब्रिज समिट का हिस्सा बनीं। यहां उन्होंने इंडिया में अपने करियर के दौरान मिली चुनौतियों पर बात की। उन्होंने बताया कि कैसे करियर के शुरुआती फेज में उनके पास ना कहने का प्रिविलेज नहीं था और उनसे अवसर छीन लिए गए थे। प्रियंका ने अपने प्रोफेशनल जर्नी में आए बदलावों के बारे में बात करते हुए कहा- 'ऐसा नहीं था कि मुझे अवसर दिए गए थे, बल्कि मौके मुझसे छीन लिए गए थे। इसलिए मुझे अपनी रणनीति बदलनी पड़ी। एक साल ऐसा भी था जब मेरी छह फिल्में लगातार फ्लॉप हो गईं। लोग मुझे कास्ट करने से डरने लगे क्योंकि फिल्म अच्छा प्रदर्शन नहीं करेगी।

12 December Yuva Pradesh:25 August Ashoka Mail.qxd 13-Dec-25 4:04 AM Page 7

सेहत की बात

क्या फाइन लाइन्स और झुर्रियों से नेचुरल तरीके से छुटकारा पाया जा सकता है?

चेहरे पर फाइन लाइन्स और झुर्रियां किसी को पसंद नहीं आती हैं। हालांकि, मौजूदा समय में जिस तरह की हमार लाइफस्टाइल और डाइट हो गई है, इसका नेगेटिव असर हमारी स्किन पर नजर आता है। चेहरे पर डलनेस, थकान और कमजोरी हमेशा बनी रहती है। इस पर करेले पे नीम चढ़ा वाली बात ये है कि देश के कई इलाकों में प्रदूषण का स्तर भी काफी बढ़ गया है। प्रदूषण का भी स्किन पर बुरा असर पड़ता है। यहां तक कि कम उम्र में ही बढती उम्र के लक्षण नजर आने लगते हैं। कुछ लोगों को चेहरे पर फाइन लाइन्स और झुर्रियां भी हो गई हैं। जाहिर है, ऐसी कंडीशन किसी को पसंद नहीं है और कोई उससे छुटकारा पाना चाहता है। सवाल है, क्या फाइन लाइन्स और झुर्रियों से नेचुरल तरीके से छुटकारा पा सकते हैं? आइए, जानते हैं इस बारे में राजौरी गार्डन स्थित कॉस्मेटिक स्किन क्लिनिक की कॉस्मेटोलॉजिस्ट और त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉ. करुणा मल्होत्रा की क्या राय है।

क्या फाइन लाइन्स और झुर्रियों से नेचुरल तरीके से छुटकारा पा सकते हैं?

विशेषज्ञों का कहना है कि एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त डाइट, हाइड्रेशन, स्ट्रेस को मैनेज करके, सूरज की रोशनी से स्किन को प्रोटेक्ट करके आप फाइन लाइन्स और झुर्रियों को कम कर सकते हैं। इसके साथ-साथ कुछ नेचुरल तरीके भी मौजूद हैं, जैसे त्वचा की नियमित रूप से मसाज करना, अच्छी नींद लेना और डीआईवाई मास्क भी स्किन के लिए काफी लाभकारी होता है। हालांकि, विशेषज्ञ इस बात को स्पष्ट करते हैं कि फाइन लाइन्स और गहरे झुर्रियों को पूरी तरह कभी भी ठीक नहीं किया जा सकत है। अगर फाइन लाइन्स हल्की हैं या झुर्रियां कम हैं, उन पर ये नेचुरल तरीके काम कर सकते हैं। असल में, इन नेचुरल तरीकों से स्किन की इलास्टिसिटी सुधरती है, त्वचा की प्लंपनेस बेहतर होती है, जिससे ओवर ऑल चेहरा अच्छा नजर आता है। साथ ही, प्रो-मैच्योर प्रोसस भी धीमी हो जाती है।

पर्याप्त पानी पिएं

स्किन की झुर्रियां और फाइन लाइन्स कम करने के लिए बहुत जरूरी है कि आप नियमित रूप से भरपूर मात्रा में पानी पिएं। इससे बॉडी हाइड्रेट रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से स्किन की इलास्टिसिटी बेहतर बनी रहती है।

एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त फूड खाएं

अपनी स्किन ही नहीं, बल्कि ओवर ऑल हेल्थ में सुधार करने के लिए बहुत जरूरी है कि आप एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त फूड का सेवन करें। इनका सेवन करने से फ्री रेडिकल से होने वाले डैमेज को कम किया जा सकता है।

एंटीऑक्सीडेंट्स युक्त डाइट के लिए आप बेरीज, हरी पत्तेदार सब्जियां, नट्स और डार्क चॉकलेट का सेवन करें।

शरीर में कौन से विटामिन की कमी से लगती है ज्यादा ठंड?

क्या आपको भी बाकी लोगों की तुलना में ज्यादा ठंड लगती है। या, फिर हाथ-पैर अक्सर ठंडे रहते हैं। सर्दियों का मौसम आते ही हीटर के सामने दिन बिताते हैं या रजाई में बैठे रहते हैं। अगर ऐसा है तो ये केवल मौसम की गलती नहीं बल्कि आपके शरीर में हो रही कमियों का भी नतीजा होती है। शरीर में कुछ विटामिनों की कमी की वजह से ही बाकी लोगों की तुलना में आपको ज्यादा ठंड महसूस होती है। आमतौर पर ज्यादा ठंड लगने का कारण रेड ब्लड सेल्स की कमी होती है। जो शरीर के टिश्यूज को ऑक्सीजन पहुंचाती है। पूरे शरीर में कोशिकाओं को हीट देने और शरीर का टेंपरेचर बनाए रखने वाली मेटाबॉलिज्म प्रोसेस के लिए इस ऑक्सीजन की जरूरत होती है। लेकिन जब शरीर में विटामिन की कमी होती है तो ये शरीर में रेड ब्लड सेल्स कम हो जाते हैं। जिसकी वजह से आपको बाकी लोगों की तुलना में ज्यादा ठंड लगती है। जानें कौन से विटामिन की कमी की वजह से ज्यादा ठंड लगती है।

विटामिन बी12 की कमी

विटामिन बी 12 की कमी से मेगा लो ब्लास्टिक एनीमिया की शिकायत हो जाती है। जिसमे रेड ब्लड सेल्स की संख्या कम हो जाती है और उनका आकार नॉर्मल से ज्यादा बढ़ जाता है। जिससे ठंड के प्रति शरीर ज्यादा सेंसेटिव हो जाता है। विटामिन बी12 की कमी से शरीर में दूसरे लक्षण भी दिखते हैं।

फोलेट की कमी

फोलेट को विटामिन बी 9 के नाम से भी जानते हैं। फोलेट की कमी से भी ठंड के प्रति शरीर सेंसेटिव हो जाता है। फोलेट शरीर में स्ट्रांग रेड ब्लड सेल्स का निर्माण करता है। जब शरीर में पर्याप्त मात्रा में विटामिन बी 9 यानी फोलेट नहीं होगा तो विटामिन 12 की कमी वाली स्थिति बन जाती है।

आयरन की कमी

सामान्य से ज्यादा ठंड लगने का कारण केवल विटामिन की कमी ही नही है। बल्कि कई बार शरीर में आयरन की कमी से भी ज्यादा ठंड लगती है। जो महिलाओं में काफी ज्यादा कॉमन है। आयरन की कमी से शरीर में होने वाले एनीमिया में शरीर में रेड ब्लड सेल्स के निर्माण के लिए पर्याप्त मात्रा में आयरन नहीं होता है। जबकि हीमोग्लोबिन के निर्माण के लिए आयरन जरूरी है। जो रेड ब्लड सेल्स में मौजूद प्रोटीन है और ऑक्सीजन को बांधता है।

रोजाना मस्कारा का इस्तेमाल कहीं बन न जाए आंखों की सेहत के लिए खतरा

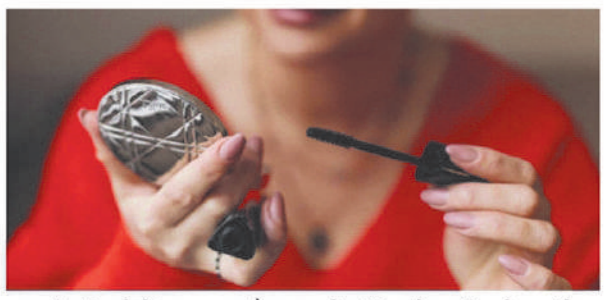

कर्षक दिखाने में मदद करता है। अब चाहे ऑफिस हो, पार्टी या रोजमर्रा के मेकअप में महिलाएं बिना सोचे-समझे मस्कारा को डेली रूटीन में जरुर शामिल करती हैं। हालांकि, कुछ महिलाएं यह नहीं जानती है कि रोजाना मस्कारा लगाने की आदत आपकी आंखों की सेहत पर धीरे-धीरे प्रभाव डालती हैं। मस्कारा में पाए जाने वाले केमिकल्स, प्रिजर्वेटिव्स और वाटरप्रूफ फॉर्मूले पलकों को कमजोर बना सकते हैं और आंखों में जलन, खुजली या इफेंक्शन का कारण बन सकता है। आमतौर पर मस्करा को सही से ना हटाया जाए या फिर एक्सपायर्ड प्रोडक्ट का इस्तेमाल किया तो यह आपके लिए खतरनाक हो सकता है।

रोजाना मस्कारा लगाने की आदत से परहेज करें

डेली मस्कारा लगाने से आंखों में जलन, खुजली या रेडनेस हो सकती है, खासकर संवेदनशील आंखों वालों में। अक्सर केमिकल्स आंखों को इरिटेट करता है।

- अगर आप रोजाना मस्कारा लगाते हैं, तो इसे सही तरीके से ना हटाने से पलकें कमजोर होकर टूटने लगती हैं और कई बार तो झड़ने लगती हैं।
- यदि आप पुराना या एक्सपायर्ड मस्कारा का इस्तेमाल करते हैं, तो यह बैक्टीरिया पैदा होने का घर बन जाता है। जिस करण से आपको आई इंफेक्शन, स्टाई या कंजक्टिवाइटिस हो सकता है।
- मस्कारा में मौजूद होता है अल्कोहल और प्रिजर्वेटिव्स, जो पलकों को ड्राई और बेजान बना सकता है।
- कुछ लोगों के लिए मस्कारा से वॉटरिंग, सूजन या एलर्जिक रिएक्शन हो सकता है। ऐसे में तुरंत इस्तेमाल करना बंद कर दें।

14 दिनों तक 1 चम्मच भुनी हुई अजवाइन और काला नमक खाने से क्या होता है?

अजवाइन और काले नमक और अगर सही तरीके और सही मात्रा में खाया जाए, तो ये दोनों ही चीजें सेहत के लिए फायदेमंद हो सकती हैं। अगर आप रोजाना 1 टीस्पून भुनी हुई अजवाइन और काले नमक को गुनगुने पानी के साथ लेती हैं, तो इससे शरीर में क्या बदलाव हो सकते हैं, चलिए डाइटिशियन से समझते हैं।

हम सभी सेहतमंद रहना चाहते हैं और इसके लिए हर मुमकिन कोशिश करते हैं। हालांकि, आज की भागदौड़ से भरी जिंदगी में अनियमित जीवनशैली और अनहेल्दी खान-पान के बीच, सेहत को दुरुस्त रखना भी काफी मुश्किल हो गया है। महिलाएं हों या या पुरुष, आजकल सभी घर से बाहर निकलकर काम कर रहे हैं और एक अच्छी जिंदगी की तलाश में कई बार सेहत पीछे रह जाती है। ऐसे समय पर खासकर, डाइजेशन से जुड़ी दिक्कतें परेशान करने लगती हैं। डाइजेशन को दुरुस्त रखना, सेहतमंद रहने के लिए काफी जरूरी है। हेल्दी रहना वैसे इतना भी मुश्किल नहीं है। आपकी रसोई में मौजूद कई चीजें सेहतमंद रहने में आपकी मदद कर सकती हैं। अजवाइन और काला नमक उन्हीं में से एक है। क्या आप जानती हैं कि रोजाना 14 दिनों तक अगर आप भुनी हुई अजवाइन और काले नमक को गुनगुने पानी के साथ लेंगे, तो इससे शरीर में क्या बदलाव होंगे। चलिए, इस बारे में डाइटिशियन से जानते हैं। यह जानकारी डाइटिशियन नंदिनी दे रही हैं। वह सर्टिफाइड डाइटिशियन और न्यूट्रिशनिस्ट हैं।

14 दिनों तक 1 चम्मच भुनी हुई अजवाइन और काला नमक खाने से क्या होता है?

14 दिनों तक भुनी हुई अजवाइन और काला नमक खाने से आपका डाइजेशन दुरुस्त होगा। अगर आपको गैस, एसिडिटी और बदहजमी की समस्या है, तो वह अपने आप कम होने लगेगी।

जिन लोगों को भूख खुलकर नहीं लगती है या पेट साफ नहीं होता है, 2 हफ्तों तक भुनी हुई अजवाइन और काला नमक खाने से पेट आसानी से साफ होगा और मेटाबॉलिज्म बूस्ट होगा। जिससे भूख खुलकर लगेगी। आप रात को सोते समय इसे ले सकती हैं। इससे सुबह पेट आसानी से साफ होगा, पेट फूला हुआ नहीं रहेगा और रात को नींद भी अच्छी आएगी। कई बार नींद न आने की वजह पेट में हो रही ऐंठन या पेट का भारीपन हो सकता है, ऐसे में अगर आप 2 हफ्तों तक अजवाइन और काला नमक लेंगे, तो इससे पेट में भारीपन नहीं होगा और आपको नींद भी सही से आने लगेगी।

काले नमक में एंटी-ओबेसिटी गुण होते हैं और अजवाइन भी फैट बर्न करने में मदद करती है। 14 दिनों तक लगातार भुनी अजवाइन और काला नमक लेने से वजन भी कम हो सकता है। हालांकि, इसके साथ आपको अपने खान-पान की आदतों में भी बदलाव करना होगा। इससे शरीर में मौजूद इंफ्लेमेशन भी कम होता है और जोड़ों के दर्द में रात मिल सकती है। 2 हफ्तों तक लगातार ऐसा करने से सर्दी-जुकाम और कफ की दिक्कत भी दूर होगी। इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट और फाइबर, अपच को दूर करते हैं। रोजाना इसका सेवन करने से इम्यूनिटी मजबूत होगी और बीपी कंट्रोल होने में भी मदद मिलेगी। 14 दिनों तक, भुनी हुई अजवाइन और काला नमक खाने से शरीर में ये बदलाव आ सकते हैं। अगर आपको स्वास्थ्य से जुड़ी कोई समस्या है।

सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का रिस्क

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अधिक देखभाल की जरूरत होती है। ठंड के दिनों में अक्सर लोगों की हेल्थ रूटीन बदल जाती है, जिससे कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है। इन्हीं में से एक है कोलेस्ट्रॉल लेवल का बढ़ना, जो हार्ट हेल्थ के लिए चिंता का कारण बन सकता है। ठंडे मौसम में खानपान, दिनचर्या और शरीर की काम करने की प्रक्रिया में बदलाव देखने को मिलता है, जो शरीर की सेहत को प्रभावित करते हैं। ऐसे में सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का रिस्क बढ़ जाता है। आइए पहले जानते हैं कि सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने से कौन-कौन से लक्षण दिखाई देते हैं। सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने पर शरीर कई संकेत देता है। इसमें थकान, छाती में भारीपन महसूस होना, शरीर में अकड़न या सुस्ती बढ़ना और हल्की-हल्की सांस फूलना शामिल हैं। कई लोगों को एक्सरसाइज या थोड़ी मेहनत करने पर जल्दी थकावट महसूस होने लगती है। कुछ मामलों में पैरों में दर्द, गर्दन या कंधों में जकड़न और सिर में भारीपन जैसा अनुभव हो सकता है। ये संकेत बताते हैं कि शरीर में फैट और कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ रहा है, जिसे समय रहते कंट्रोल करना जरूरी है। अब आइए जानते हैं कि सर्दियों में ऐसा खतरा बढ़ता क्यों है।

सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का खतरा क्यों बढ़ जाता है?

राजीव गांधी हॉस्पिटल में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट में डॉ. अजीत जैन बताते हैं कि सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की संभावना कई कारणों से बढ़ जाती है। ठंड में शरीर एनर्जी बचाने की कोशिश करता है, जिससे मेटाबॉलिज़्म धीमा पड़ जाता है और फैट बर्निंग कम हो जाती है। इसके अलावा ठंड के कारण लोग कम चलते-फिरते हैं और एक्सरसाइज भी कम कर देते हैं, जिससे शरीर में फैट जमा होने लगता है। विंटर में हाई कैलोरी भोजन जैसे तला-भुना, मीठा और भारी खाना अधिक खाया जाता है, जो कोलेस्ट्रॉल बढ़ाने का कारण बनता है। साथ ही, ठंडे मौसम में हॉर्मोनल बदलाव भी होते हैं, जो लिवर में कोलेस्ट्रॉल बनने की प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। सूर्य की कमी से विटामिन डी घटता है, जो कोलेस्ट्रॉल बैलेंस पर प्रभाव डालता है।

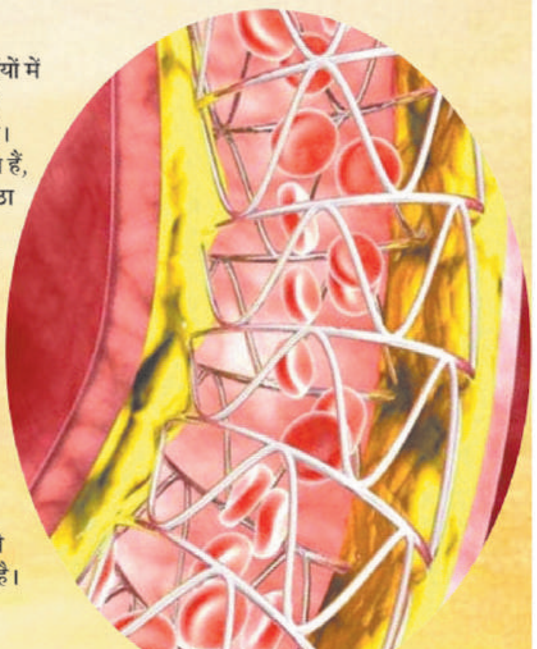

कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए डाइट में शामिल करें ये चीजें

डॉ। अजीत जैन ने बताया कि सर्दियों में कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल रखने के लिए हल्का, पौष्टिक और फाइबर से भरपूर भोजन लेना जरूरी है। डाइट में ओट्स, दलिया और मल्टीग्रेन अनाज शामिल करें, क्योंकि ये खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करते हैं। मेवे जैसे बादाम और अखरोट में हेल्दी फैट होते हैं और ये हार्ट की सेहत को मजबूत बनाते हैं। अलसी, चिया और कद्दू के बीज ओमेगा-3 से भरपूर होते हैं, जो हार्ट हेल्थ के लिए लाभदायक हैं। हरी सब्जियां और फल शरीर को एंटीऑक्सिडेंट देते हैं और लिवर की कामकाज को बेहतर करते हैं। तेल में जैतून या सरसों का तेल बेहतर विकल्प हो सकता है।

यह भी जरूरी

रोज कम से कम 30 मिनट वॉक या हल्की एक्सरसाइज करें।
पानी पर्याप्त मात्रा में पिएं ताकि मेटाबॉलिज़्म एक्टिव रहे।
तला-भुना और मीठा कम खाएं।
स्ट्रेस मैनेजमेंट पर ध्यान दें।
समय-समय पर कोलेस्ट्रॉल लेवल की जांच करवाएं।

भोपाल में 18 जनवरी को 'संविधान बचाओ-आरक्षण बचाओ' महाआंदोलन; IAS संतोष वर्मा के समर्थन में 5 लाख लोगों के शामिल होने का दावा!

हल्केवीर सूर्यवंशी, संभागीय संवाददाता भोपाल। राजधानी भोपाल में आयोजित संयुक्त प्रेस वार्ता में एसटी, एससी और ओबीसी वर्ग के विभिन्न सामाजिक एवं जनसंगठनों ने घोषणा की है कि 18 जनवरी 2026, रविवार को भोपाल में संविधान बचाओ आरक्षण बचाओ जन आक्रोश महा आंदोलन आयोजित किया जाएगा। इस विशाल आंदोलन में लगभग 5 लाख लोगों के शामिल होने का दावा किया गया है। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जयस राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट लोकेश मुजाल्दा ने बताया कि यह आंदोलन IAS संतोष वर्मा के समर्थन में तथा संविधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आंदोलन पूरी तरह संवैधानिक, शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से किया जाएगा। अजाक्स के प्रांताध्यक्ष IAS संतोष वर्मा के संदर्भ में सभी संगठनों ने एकमत होकर यह मांग उठाई कि उनके खिलाफ किसी भी प्रकार की अनुचित कार्यवाही न की जाए और सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई हो।

महाआंदोलन की प्रमुख मांगें : IAS संतोष वर्मा पर कोई भी कार्यवाही न की जाए

ST/SC/OBC वर्ग के बैकलॉग पदों पर शीघ्र भर्ती

– पदोन्नति में आरक्षण को पुनः प्रभावी रूप से लागू करना

– 13ब्र O B C होल्ड समाप्त कर न्यायसंगत प्रतिनिधित्व देना

– जनसंख्या अनुपात में भागीदारी का अधिकार

– संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर पर टिप्पणी करने वालों पर कठोर कानूनी कार्यवाई

– संविधान के विरुद्ध बयानबाजी करने वालों पर वैधानिक कार्यवाही

– IAS संतोष वर्मा के बयान को तोड़मरोड़कर प्रस्तुत कर सामाजिक माहौल खराब करने वालों पर कार्रवाई।

राजौरिया बने मप्र कांग्रेस अनु. विभाग के प्रदेश महामंत्री

युवा प्रदेश, डबरा।

शहर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता महाराज सिंह राजौरिया को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के अनुसूचित जाति विभाग द्वारा जारी अधिकृत सूची में प्रदेश महामंत्री (General Secretary) नियुक्त किया गया है। नियुक्ति पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए राजौरिया ने कहा कि वे इस दायित्व के लिए AICC अनुसूचित जाति विभाग के राष्ट्रीय चेयरमैन श्री राजेन्द्र पाल गौतम, नई दिल्ली के वरिष्ठ नेतृत्व तथा कांग्रेस हाईकमान के प्रति आभार व्यक्त करते हैं। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ नेतृत्व ने उन पर जो विश्वास जताया है, उसे वे पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ निभाएँगे। राजौरिया ने बताया कि वे कांग्रेस की मूल विचारधारा न्याय, समानता, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय को सर्वोपरि रखते हुए दलित समाज के अधिकारों की रक्षा, उनकी आवाज़ को बुलंद करने और संगठन को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं कमलनाथ (पूर्व मुख्यमंत्री), दिग्विजय सिंह (सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री), अशोक सिंह (सांसद), जीतू पटवारी (अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस), सुरेन्द्र चौधरी (पूर्व मंत्री), महेंद्र बौद्ध (पूर्व गृह मंत्री), प्रदीप अहिरवार (प्रदेश अध्यक्ष, अनुसूचित जाति विभाग), प्रभुदयाल जौहरे (जिलाध्यक्ष, ग्वालियर ग्रामीण) तथा अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और समर्थकों का आभार व्यक्त किया। राजौरिया ने कहा कि वे आने वाले समय में दलित वर्ग की समस्याओं को मजबूती से उठाने, संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त करने, युवाओं को जोड़ने और कांग्रेस की नीतियों व कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुँचाने के लिए निरंतर कार्यरत रहेंगे। राजौरिया को बधाई देने वालों में सर्व श्री घनश्याम भार्गव, श्रीकांत पाठक, रंगनाथ तिवारी, देवदत्त शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, सुनील चतुर्वेदी, अशोक तिवारी, अशोक डोनेरिया, राघवेंद्र शर्मा, अशोक पाराशर, विद्याभूषण शर्मा, गोपाल दास गुप्ता, अशोक नगरिया, छविराम सोनी, ओमप्रकाश गुप्ता, अशोक गुप्ता, जयप्रकाश शर्मा, जमील खान, देव बंसल, केपी सिंह रावत, हरिओम चौरसिया, ओमप्रकाश दादोरिया, हरिश्चंद्र शर्मा, कमलेश साहू, इकरार खान, नीरज यादव, अरविंद सिंह, हीरा पार्षद, सुमित साहू पार्षद, कमलेश बाथम पार्षद, अशोक धाकड़ पार्षद, मीरा कमलेश राजोरिया पार्षद, भूपेंद्र सिंह बघेल पूर्व पार्षद, सुनील शर्मा, विवेक भार्गव, दिनेश भार्गव, सुमान शाह, अकरम, जितेंद्र, सुखवीर सिंह, मुकेश बघेल, धर्मेंद्र श्रीवास्तव, केदार बघेल, केशव शर्मा, बबलिश चौहान, नीरज यादव, राजेंद्र, लोकेंद्र सिंह, दीपक खरे, सरदार अजीत सिंह, नवल शर्मा, वीरेंद्र सिंह रावत, सुरेंद्र सिंह राजोरिया, सतीश चतुर्वेदी, राजन सिंह जाटव, सत्येंद्र सिंह जाटव, भगवान लाल कुशवाहा, एवरन सिंह रावत, कृष्णा राय, रामेश्वर परिहार, जफर खान नेताजी, मोहन बाबूजी, नरेंद्र सिंह राणा, हरि गोपाल चौबे, सूर्यभान कुशवाहा, संतोष कुशवाह, सुनील कुशवाह, पूरन सिंह कोरी, राहुल, आशीष राजौरिया, गुरप्रीत सिंह, हरप्रीत सिंह, मनीष समाधिया, गौरव पांडे, शौकत खान, हरिओम गुप्ता, दौलत सिंह, नवाब खान आदि के द्वारा राजौरिया को बधाई व शुभकामनाएं दी।

पुत्र सहित कुल 03 आरोपी गिरफ्तार, 2 आरोपी फरार

दोहरे जघन्य हत्याकाण्ड में पुलिस का सनसनीखेज खुलासा, पहली पत्नी के पुत्र ने 4 के साथ मिलकर की हत्या

कुमार अनूप गुप्ता ब्यूरो चीफ अनूपपुर

कोतवाली अनूपपुर पुलिस द्वारा ग्राम लखनपुर में हुए दोहरे हत्याकाण्ड का सनसनीखेज खुलासा किया है। उक्त दोहरे हत्याकाण्ड में मृतक राजेन्द्र उर्फ बबलू पटेल (उम्र करीब 40 साल) निवासी लखनपुर एवं उसके घर पर काम करने वाली कुमारी सीमा बैगा (उम्र करीब 25 साल) निवासी ग्राम डालाडीह की रात्रि में सोते वक्त जघन्य नृशंतापूर्वक की गई हत्या के मामले में मृतक राजेन्द्र पटेल की पहली पत्नी से हुए पुत्र आलोक उर्फ सूरज पटेल (उम्र 18 साल) के द्वारा अन्य 04 साथियों के साथ हत्या किये जाने का पुलिस द्वारा खुलासा कर पुत्र सहित कुल तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मौके पर एसपी सहित डीआईजी शहडोल रेन्ज सविता सोहाने द्वारा पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण कर उक्त सनसनीखेज जघन्य दोहरे हत्याकाण्ड में अज्ञात आरोपी की गिरफ्तारी पर तीस हजार रूपये की ईनाम घोषित किया था। कोतवाली की पुलिस टीम द्वारा अपराध क्रमांक 552/25 धारा 103 (1), 109 (1) बी.एन.एस. की

विवेचना में एकत्रित महत्वपूर्ण तकनीकी साक्ष्यों एवं परस्थितिजन्य साक्ष्यों से खुलासा हुआ कि मृतक राजेन्द्र उर्फ बबलू पटेल ने अपनी पहली पत्नी पार्वती पटेल को कई वर्षों पूर्व छोड़कर रूपा पटेल से विवाह कर लिया था जो पहली पत्नी से पैदा हुआ पुत्र आलोक उर्फ सूरज पटेल अपनी सौतेली मां रूपा पटेल और पिता राजेन्द्र पटेल के भेदभाव पूर्ण व्यवहार से बचपन से परेशान रहता था और माता पिता के द्वारा सौतेली मां रूपा पटेल से पैदा हुए दूसरे पुत्र आयुष पटेल (उम्र करीब 09 वर्ष) को ही अपनी सारी जमीन जायदाद, ट्रेक्टर, थ्रेशर देने की बात कहकर अक्सर डांटा फटाकारा जाता था। हाल ही में 25 नवम्बर को आलोक उर्फ सूरज पटेल के 18 वे वर्ष पूर्ण होने के जन्मदिन पर पिता ने पुत्र आलोक उर्फ सूरज पटेल को दोस्तो के साथ बिना बताये जाने पर डांट फटकार कर तमाचा मारा था इन सब कारणो से व्यथित होकर मृतक के पुत्र आलोक उर्फ सूरज पटेल ने अपने 16 वर्षीय नाबालिग दोस्त से अपनी सौतेली मां और पिता की हत्या कराने के लिए रूपये देकर भाड़े पर लड़के दिलाने की बात की।

पांच लाख रूपये में तय हुआ सौदा

जो दिनांक 04 दिसम्बर 2025 की शाम उसके 16 वर्षीय दोस्त ने हत्या को अंजाम देने के लिए आलोक उर्फ सूरज पटेल की मुलाकात अपने 16 वर्षीय नाबालिग किशोर से मुलाकात करवाई और इस हत्या के बदले पांच लाख रूपये में सौदा तय हुआ। हत्या की योजना के लिए 4 दिसम्बर की शाम को हुई इस मुलाकात और बातचीत का वीडियो 16 वर्षीय नाबालिग आरोपी ने अपने स्मार्ट फोन से बना लिया था जिसे पुलिस ने उक्त वीडियो नाबालिग किशोर के पकड़े जाने पर उसके मोबाईल से प्राप्त कर महत्वपूर्ण साक्ष्य जप्त कर लिया गया है। 16 वर्षीय नाबालिग किशोर द्वारा अपने साथी देवेन्द्र सोनवानी निवासी सामतपुर और एक अन्य 17 वर्षीय नाबालिग किशोर को हत्या के बाद मिलने वाले धन को दिलाने का कहकर योजना के अनुसार दिनांक 09 एवं 10 दिसम्बर 2025 की दरम्यानी रात अपनी मोटर सायकल बजाज प्लेटिना से रात करीब 01.00 बजे लखनपुर पहुंचकर मृतक के पुत्र आलोक उर्फ सूरज पटेल के साथ मिलकर सौतेली मां रूपा पटेल, पिता राजेन्द्र पटेल और घर पर काम करने वाली बाई सीमा बैगा की धारदार लोहे की कुल्हाड़ी , लोहे का वसूला एवं लाठी और सिलबट्टा के भारी बट्टे से सोते वक्त गंभीर मारपीट की गई जिससे पिता राजेन्द्र पटेल और काम वाली बाई सीमा बैगा की मौके पर ही मृत्यु हो गई तथा गंभीर रूप से घायल सौतेली मां रूपा पटेल के अचेत अवस्था में सुबह आसपास के लोगो ने एम्बुलेंस से जिला चिकित्सालय भेजा जिसे शहडोल मेडिकल कालेज से जबलपुर मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया है जिसका ईलाज चल रहा है पुलिस द्वारा दोहरी हत्या एवं हत्या के प्रयास के आरोप में आलोक उर्फ सूरज पटेल एवं दो अन्य नाबालिग विधिविरूद्ध किशोर को गिरफ्तार कर हत्या की वारदात में प्रयुक्त धारदार वसूला, कुल्हाड़ी , मोबाईल फोन जप्त कर लिया गया है। शेष फरार आरोपी देवेन्द्र सोनवानी निवासी सामतपुर एवं एक अन्य 17 वर्षीय नाबालिग किशोर की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीमें छत्तीसगढ भेजी गई है।

महापरिनिर्वाण दिवस पर कांग्रेसियों ने श्रद्धा से याद किए बाबासाहेब अंबेडकर

डबरा। आज 6 दिसंबर देश के संविधान निर्माता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर का महापरिनिर्वाण दिवस आज डबरा नगर में पूरे सम्मान, गरिमा और श्रद्धा के साथ कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं गणमान्य नागरिकों द्वारा मनाया गया। इस अवसर पर शहर के वरिष्ठ कांग्रेस नेता पूर्व चेयरमैन(पार्षद) महाराज सिंह राजौरिया, प्रदेश महासचिव (अनु विभाग) म.प्र. कांग्रेस के नेतृत्व में कांग्रेसियों ने बाबासाहेब की प्रतिमा एवं उनके चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यार्पण कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कांग्रेस नेता महाराज सिंह राजौरिया ने डॉ. अंबेडकर(बाबा साहब) के जीवन संघर्ष, सामाजिक न्याय के लिए उनके अथक प्रयासों एवं राष्ट्र निर्माण में उनके ऐतिहासिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने सामाजिक भेदभाव, छुआछूत और असमानता के विरुद्ध आजीवन संघर्ष कर देश के प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार दिलाने का कार्य किया। उन्होंने ज़ोर देते हुए कहा कि फ्रडॉ. अंबेडकर द्वारा दिया गया भारतीय संविधान देश की आत्मा है, जो समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व के मूल सिद्धांतों पर आधारित है। आज आवश्यकता है कि हम सभी संविधान की रक्षा के लिए एकजुट हों।फ्रइस अवसर पर पार्षद श्रीमती सुनीता महाराज सिंह राजौरिया ने कहा कि बाबासाहेब अंबेडकर केवल एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार हैं। उन्होंने कहा कि एक न्यायपूर्ण, समतावादी और समावेशी राष्ट्र के निर्माण के लिए बाबासाहेब के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा तथा संविधान की मूल भावना की रक्षा करने का संकल्प लेना होगा। उन्होंने युवाओं से शिक्षा, अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान भी किया। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं नागरिकों ने बाबासाहेब अमर रहें के नारों के साथ सामाजिक समरसता, संविधान की गरिमा बनाए रखने एवं लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संकल्प लिया। इस श्रद्धांजलि कार्यक्रम में छविराम सोनी, जगदंबा चौबे, मोहर सिंह गुर्जर, राम गोपाल राजोरिया, अकरम खान, राकेश सिंह, राज, मनीष, रवि, जवाहरलाल, रघुनाथ सिंह, भगवान लाल कुशवाह, हेमू सिंह, अशोक चौरसिया गजेंद्र सिंह राजोरिया, एवरन सिंह रावत, सामाजिक कार्यकर्ताओ के साथ अन्य आम नागरिक उपस्थित रहे।

विभागों की परिसंपत्तियां जीआईएस पोर्टल पर दर्ज हों डिस्ट्रिक्ट जीआईएस प्रोजेक्ट के संबंध में बैठक आयोजित

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

कमिश्नर कार्यालय के सभाकक्ष में डिस्ट्रिक्ट जीआईएस पोर्टल के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में संभागायुक्त संजीव सिंह ने ऑनलाइन जुड़कर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभाग अपनी परिसंपत्तियों की जानकारी एमपीएसईडीसी को उपलब्ध करायें जिससे उन्हें पोर्टल पर दर्ज कराया जा सके। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर सही जानकारी दर्ज हो। संभागायुक्त ने कहा कि कार्य योजना बनाकर जीआईएस पोर्टल पर शत-प्रतिशत मैपिंग कर ली जाए। आंगनबाड़ियों, स्कूल, पंचायत भवन, छात्रावास सहित विभिन्न विभागों की परिसंपत्तियां पोर्टल पर दर्ज की जाएं। इसके लिए सभी विभाग समन्वय बनाकर कार्य करें। परिसंपत्तियों का वर्गीकरण सही हो। बैठक के दौरान परख पोर्टल के संबंध में प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

मानवाधिकार : आधुनिक समाज में चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया

युवा प्रदेश, पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम।

शासकीय विधि महाविद्यालय, नर्मदापुरम (म.प्र.) में आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में 09 एवं 10 दिसम्बर 2025 को मानवाधिकार आधुनिक समाज में चुनौतियाँ एवं अवसर विषय पर दो दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन प्राचार्य डॉ. कल्पना भारद्वाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रवलन, सरस्वती वंदना एवं स्वागत उद्बोधन के साथ हुआ। विभागाध्यक्ष शिवाकांत मौर्य ने अध्यक्षीय संबोधन में मानवाधिकारों की संवैधानिक यात्रा पर प्रकाश डाला। प्रथम दिवस में डॉ. अभिषेक सिंह ने मानवाधिकारों की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, मानव अधिकार की सार्वभौमिक घोषणा, नागरिक और राजनीतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय समझौता एवं आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकारों पर अंतर्राष्ट्रीय समझौता,का विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत किया। राजदीप भदोरिया ने अंतराष्ट्रीय स्तर पर मानवाधिकार के संबंध में हो रहे विकास के बारे में विभिन्न प्रयासो को समझाया । शिवाकांत मौर्य ने भारतीय संविधान की मानवाधिकार संरचना पर व्याख्यान दिया तथा डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने अनुसूचित जाति, जनजाति, महिलाएँ, बालक-बालिकाएँ, दिव्यांगजन एवं अल्पसंख्यकों जैसे वंचित समूहों के मानवाधिकार एवं संवैधानिक संरक्षणों पर चर्चा की। द्वितीय दिवस में डॉ. अभिषेक सिंह ने महिलाओं के विरूद्ध सभी प्रकार के भेदभाव के उन्मूलन पर अभिसमय के संदर्भ में महिलाओं एवं बच्चों के मानवाधिकारों पर विशेषज्ञ व्याख्यान दिया। तत्पश्चात डॉ. महेंद्र कुमार पटेल ने भारतीय मानवाधिकार प्रवर्तन व्यवस्था, अनुच्छेद 32 व 226, लोकहित याचिका तथा पुलिस, प्रशासन व सिविल सोसायटी की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने न्यायपालिका की भूमिका एवं महत्वपूर्ण निर्णयों का भी उल्लेख किया। अतिथि वक्ता सुश्री अरुणिका जैन ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, राज्य मानवाधिकार आयोग, महिला आयोग, अल्पसंख्यक आयोग तथा पिछड़ा वर्ग आयोग की संरचना एवं कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी प्रस्तुत की। समापन सत्र में सेमिनार रिपोर्ट प्रस्तुत की गई तथा धन्यवाद प्रस्ताव के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ। सेमिनार के संचालन में अंकिता गौर ने किया तथा रिपोर्टिंग का कार्य रेणुका, नेहा खापरे तथा अमन भट्ट लक्ष्य मालवीय, अमीना मिर्जा श्रेयांस मिश्रा ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवक सहित विद्यार्थियों की सहभागिता रही। इस दो दिवसीय सेमिनार ज्ञानवर्धक, संवादमुखी तथा अत्यंत सफल रहा। महाविद्यालय परिवार ने सभी अतिथियों, वक्ताओं एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रांतीय कुशवाहा समाज संगठन प्रदेश संगठन मंत्री बने बलवान सिंह कुशवाहा

मूलचन्द मेधोनिया पत्रकार भोपाल। प्रांतीय कुशवाहा समाज मध्यप्रदेश जो कि कुशवाहा, कछवाहा, मौर्य, सैनी, माली समाज का एक राज्य स्तरीय विशाल संगठन संयुक्त रूप से सराहनीय कार्य सहित सभी सामाजिक लोगों को एकजुट करके समाज कल्याण के कार्य करता है। जिसके योगेश मानसिंह कुशवाहा संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष है। जिन्होंने सामाजिक कार्यकर्ता एवं लंबे समय से अनेक समाजों के लिए काम करने वाले पन्ना निवासी बलवान सिंह कुशवाहा को संगठन का प्रांतीय संगठन मंत्री बनाया गया है। बलवान सिंह कुशवाहा को संगठन मंत्री बनने पर किसान झुग्गी मजदूर संघ, मध्यप्रदेश श्रमिक कल्याण संघ, पुटवाट हाथ ठेला मजदूर संघ, सरपंच उपसंरपच पंच कल्याण समिति सहित अमर शहीद वीर मनीराम अहिरवार संघर्ष समिति मध्यप्रदेश की ओर से बलवान सिंह कुशवाहा को कुशवाहा प्रदेश संगठन मंत्री बनाये जाने पर सभी संगठनों द्वारा उनके उज्जवल भविष्य की मंगलमय कामना करते हुए शुभकामनाएं दी गई है।

निशुल्क विधिक सहायता एवं विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया

पत्रकार बीआर अहिरवार नर्मदापुरम

06 दिसम्बर 2025 को विधि विभाग, पीएमसीओई शासकीय नर्मदा महाविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम निमसाड़िया, नर्मदापुरम (मध्यप्रदेश) में निःशुल्क विधिक सहायता एवं विधिक जागरूकता शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का आरम्भ विधि विभाग के छात्र-छात्राओं द्वारा निकाली गई जन-जागरण रैली से हुआ, जिसमें विधिक अधिकारों से संबंधित नारे लगाए गए। इसके उपरान्त विद्यार्थियों ने विधिक जागरूकता पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया, जिसने ग्रामीणों को न्याय की पहुँच और विधिक सहायता के महत्व से अवगत कराया। नुक्कड़ नाटक के पश्चात विद्यार्थियों द्वारा ग्रामवासियों के बीच प्रश्नावली आधारित सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं, उनके विधिक प्रश्नों और जागरूकता के स्तर को समझा गया। तत्पश्चात विद्यार्थियों ने ग्रामीणों की व्यक्तिगत एवं सामुदायिक समस्याएँ सुनीं तथा उन्हें आवश्यक कानूनी परामर्श प्रदान किया। ग्राम के सरपंच श्री बालेंद्र पटेल कार्यक्रम में उपस्थित रहे। उन्होंने इस शिविर की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में कानूनी जागरूकता को बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यह पूरा आयोजन विधि विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. अपूर्वा वर्मा के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उन्होंने कहा– ÷विधिक जागरूकता एक प्रगतिशील समाज की नींव है। हमारे विद्यार्थी न केवल सैद्धांतिक अध्ययन करते हैं, बल्कि समाज के बीच जाकर वास्तविक समस्याओं को समझते हैं और न्याय से संबंधित जानकारियों को जन-जन तक पहुँचाते हैं।÷ विधि विभाग के प्राध्यापक श्री अरुण शर्मा एवं प्राध्यापिकाएं श्रीमती चंद्रप्रभा सोनी, श्रीमती हनीफा शेख, एवं सुश्री अनुपमा कुजूर उपस्थित रहीं। मंच संचालन का दायित्व मोहान सिंह एवं कमल श्रीवास्तव ने निभाया।मुख्य वक्ताओं ऋतु जैन एवं अंजलि राठौर ने विधिक सहायता की आवश्यकता, उपलब्धता एवं उसके महत्व पर प्रभावी उद्बोधन प्रस्तुत किया। विधि विभाग, पीएमसीओई ने इस शिविर के माध्यम से पुनः सिद्ध किया कि वह न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का केंद्र है, बल्कि समाज-सेवा, विधिक जागरूकता और जनहित कार्यों में अग्रणी विभाग है। विभाग द्वारा समय-समय पर ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिससे विद्यार्थी व्यावहारिक ज्ञान, सामुदायिक जुड़ाव तथा कानूनी सेवाओं की वास्तविक समझ प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी हमेशा ऐसे आयोजनों के लिए उत्साहित रहते हैं और समाज के हित में अपनी सक्रिय भूमिका निभाते हैं।

आम नागरिकों को स्वास्थ्यवर्धक एवं जैविक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने जैविक बाजार की शुरूआत

रिपोर्टर देवेन्द्र कुमार जैन भोपाल मध्य प्रदेश

म.प्र. रासायनिक मुक्त और शुद्ध खाद्य पदार्थों की बढ़ती आवश्यकता को देखते हुये भोपाल जिले में प्रत्येक शनिवार को जैविक कृषि उत्पादों का साप्ताहिक बाजार आयोजित किया जा रहा है। यह जैविक बाजार जिला पंचायत, ग्रामीण आजीविका मिशन एवं कृषि विकास विभाग की %आत्मा% योजना के समन्वय से संचालित किया जा रहा है। यह बाजार प्रत्येक शनिवार को दोपहर 2 बजे से शाम 8 बजे तक राग भोपाली परिसर, 10 नं. मार्केट, भोपाल में आयोजित किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य आम नागरिकों को सुरक्षित, स्वास्थ्यवर्धक एवं जैविक खाद्य सामग्री उपलब्ध कराते हुये कृषकों को जैविक खेती अपनाने हेतु प्रोत्साहित करना है।उप संचालक कृषि सुमन प्रसाद ने जानकारी दी कि, वर्तमान समय में रसायन मुक्त उत्पादों का सेवन अत्यंत आवश्यक हो गया है, क्योंकि रासायनिक खेती से उत्पादित अनाज एवं सब्जियां मानव स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। इसलिए यह आवश्यक है कि उपभोक्ताओं को यह जानकारी हो कि उनका भोजन किस प्रकार की खेती से उत्पन्न हुआ है। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि भोपाल जिले में लगभग 1250 कृषकों का चयन प्राकृतिक खेती हेतु किया गया हैं। इन कृषकों को प्राकृतिक खेती की तकनीकों का प्रशिक्षण तथा रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के स्थान पर जैविक एवं प्राकृतिक विधियों से खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह साप्ताहिक जैविक बाजार प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को उनके उत्पादों के लिए स्थाई और विश्वसनीय बाजार उपलब्ध कराना तथा आम जनता को नियमित रूप से शुद्ध जैविक उत्पाद उपलब्ध कराने के लिए प्रत्येक शनिवार लगाया जा रहा है। इस बाजार में विभिन्न प्रकार के जैविक उत्पाद जिसमें मुख्यतः जैविक अनाज, जैविक हल्दी, दलहन जैसे- जैविक चना, जैविक उड़द, जैविक हरी सब्जियों में पालक, लहसुन, लोकी सहित 20 से अधिक प्रकार की सब्जियां उपलब्ध होंगीं। उप संचालक ने आम नागरिकों से अपील की है कि वह अधिक से अधिक संख्या में इस बाजार में आएं, जैविक उत्पादों की खरीदी करें और प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों को प्रोत्साहित करें। उन्होनें यह भी बताया कि जैविक उत्पाद न केवल मानव स्वास्थ्य के लिए लाभकारी है, बल्कि यह मिट्टी की उर्वरता को बनाएं रखते हैं, जल स्त्रोतों को प्रदूषण से बचाते हैं तथा पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते है। वहीं रासायनिक खेती से दीर्घकालीन स्वास्थ्य समस्याएं, मिट्टी की गुणवत्ता में गिरावट तथा जल प्रदूषण जैसी समस्याएं हो सकती है। जैविक बाजार की यह पहल किसानों की आय बढ़ाने, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा समाज को स्वस्थ जीवलशैली की ओर ले जाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

स्वत्वाधिकारी,मुद्रक,प्रकाशक एवं संपादक नागेश नरवरिया द्वारा जय माता प्रिंटर्स म.नं. 1 अमर दाल मिल के पास पेमदीपुरा चिकलोद रोड के पास बापू कालोनी जहांगीराबाद भोपाल मप्र से मुद्रित एवं म.नं. 51 एक्सटेंशन शिवलोक कॉलोनी फेस-3, खजूरी कलां रोड,तह. हुजूर जिला भोपाल से प्रकाशित। **संपादक :-** नागेश नरवरिया (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र भोपाल रहेगा।)